

सत्य निकेतन हादसा: राहुल गांधी ने जवाबदेही नहीं होने का लगाया आरोप



एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे को लेकर सरकार पर जवाबदेही नहीं तय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हादसों की रोकथाम में विफल रहने के बाद सरकार केवल बयानबाजी करती है और असली दोषी जवाबदेही से बच जाते हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सत्य निकेतन में छात्रों से भरी इमारत का गिरना कोई अकेली त्रासदी नहीं है। पिछले चार महीनों में सैदुलाजाब और हौजरानी में भी ऐसी घटनाओं में कई लोगों की जान गई लेकिन कार्रवाई दिखाई नहीं देती। उन्होंने आरोप लगाया कि जवाबदेही मांगने वालों को अपमानजनक विशेषण देकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है। सवाल उठाने वालों को शर्मिदा और बदनाम करने की कोशिश की जाती है। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए लेकिन मूल मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद ऐसी घटनाओं पर प्रभावी जवाबदेही दिखाई नहीं दे रही है।

तीनों सेनाओं के लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों को केंद्र की मंजूरी

■ मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएससी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लिए लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इससे भारतीय सेना के लिए कैमिकल बायोलॉजिकल रेंडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल, हाई



मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद की जाएगी। मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी। रक्षा बलों के अलग-अलग अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक एडमिनिस्ट्रिटिव मंजूरी

मिलने से तीनों सेनाओं को नए हथियार मिलने से युद्धक क्षमता मजबूत होगी। सेना के लिए खरीदे जाने वाले कैमिकल बायोलॉजिकल रेंडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल प्रभावित क्षेत्र का पता लगाने, पहचानने, मॉनिटर करने और मार्किंग करने में सक्षम होंगे। हाई मोबिलिटी व्हीकल मुश्किल इलाकों में ऑपरेशनल क्षमता, लॉजिस्टिकल सपोर्ट और मोबिलिटी को बढ़ाएंगे। इसी तरह सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स मुश्किल इलाकों में तेज और रिसॉर्गनिब माइनेलेज के मामले में जरूरी ऑपरेशनल क्षमता हासिल करेंगे। एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायु सेना के लिए

खरीदे जाएंगे, जो सभी इलाकों और ऑपरेशनल हालात में मुश्किल मिशन पूरे करेंगे।

ट्रॉल टैंक और ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग इलाकों में ऑपरेशन के दौरान लड़ने वाली टीमों को कम्पोजिट क्रासिंग देने के लिए किया जाएगा। नौसेना के लिए अरुधरा रडार, डिजाइन और डेवलपमेंट किया जायेगा। उसके बाद मरीन गैस टरबाइन खरीदने के लिए एओएन दिया गया। अरुधरा रडार अलग-अलग नेवल एयर स्टेशन पर मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेगा और वॉरशिप प्रोपेल्शन सिस्टम मैकेनिकल माइन लेयर्स विदेशी वेंडर पर निर्भरता कम करेगा।

अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

एजेंसी, काबुल

अफगानिस्तान में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5 बजकर 36 मिनट 22 सेकंड पर आया। इसका केंद्र 36.114 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.820 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 130 किलोमीटर की गहराई में था। केंद्र ने कहा कि भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी भी सामने नहीं आई है। अफगानिस्तान के अखबार हश्त-ए-सुब्ह डेली की यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के हवाले से प्रसारित एक रिपोर्ट के अनुसार,

इससे पहले एक सितंबर को ताखर प्रांत के फरखार जिले में भूकंप आ चुका है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 थी। हश्त-ए-सुब्ह डेली के अनुसार, यह भूकंप एक सितंबर की रात 11:51 बजे जमीन की सतह से 212.6 किलोमीटर की गहराई पर आया। दो सितंबर को तड़के थी राजधानी काबुल समेत देश के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अफगानिस्तान भौगोलिक स्थिति के कारण भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील है। पिछले साल 31 अगस्त/ 01 सितंबर की रात पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत (जालालाबाद के पास) और कुनार में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से भारी तबाही हुई थी।

अमेरिका के मियामी एयरपोर्ट पर कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को अमेजन का मालवाहक (कार्गो) विमान रनवे से बाहर निकल कर खेत में पहुंच गया। विमान ने कई वाहनों को टक्कर मारी और उसमें आग लग गई। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दो अन्य लोगों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद एयरपोर्ट पर लगभग तीन घंटे तक विमानों की आवाजाही रोक दी गई। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने हादसे के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मालवाहक विमान दोपहर करीब 2 बजे (स्थानीय समय) रनवे से बाहर निकल गया। यह विमान प्यूर्टो रिको के सैन जुआन से मियामी पहुंचा था। अधिकारियों ने कहा कि अभी यह

पता नहीं चल पाया है कि मरने वाले लोग विमान में सवार थे या उन वाहनों में थे, जिन्हें विमान ने टक्कर मारी। हादसे के बाद आसमान में काला धुआं छा गया। मियामी-डेड रेस्क्यू फायर चीफ रे जटल्लाह ने बताया कि विमान के कॉकपिट में पायलट और को-पायलट फंस गए थे। कुछ लोग कारों के अंदर भी फंसे थे। एक अन्य व्यक्ति वाहन के नीचे दब गया था।

हादसे के बाद मियामी हवाई अड्डे पर लगभग तीन घंटे तक उड़ानें रोक दी गईं। विमान से ईंधन भी लीक हो रहा था। हादसे के ईंधन भी लीक हो रहा था। हादसे के कई घंटे बाद तक दमकलकर्मों इस लीकेज को संभालने में जुटे थे। हादसे के बाद प्राइम एयर का यह विमान सड़क के किनारे जाकर रुक गया। वहां दो बड़े ट्रक भी खड़े थे। मौके की तस्वीरों में विमान पेट के बल पड़ा दिखाई दिया। आग लगने के बावजूद विमान का ज्यादातर हिस्सा सुरक्षित रहा। यह विमान 32 साल पुराना बोइंग 767 है।



एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,355 पहुंच गई है। अभी भी जारी खोज, बचाव और राहत अभियान के बीच करीब 5,000 लोग अब भी लापता या लापता बताए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार बरामद अवशेषों में मानव शरीर के विभिन्न अंग भी शामिल हैं। अब तक 98 शवों की पहचान कर उन्हें उनके परिवजनों को सौंप दिया गया है। प्राधिकरण की प्रवक्ता शांति महत ने बताया कि रसुवा से 169, नुवाकोट से 197, धादिङ से 70, गोरखा से 75, तनहुं से 38, चितवन से 363, नवलपरासी पूर्व से 222 और नवलपरासी पश्चिम से 221 शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने



बताया कि बाढ़ के बाद करीब 4,996 लोगों के लापता होने या उनका पता नहीं चल पाने की सूचना है। नवीनतम रिकॉर्ड के अनुसार एक प्रभावित क्षेत्र में करीब 1,967 लापता लोगों और नुवाकोट में

करीब 2,340 लोगों का विवरण अपडेट किया गया है। प्राधिकरण के अनुसार लापता लोगों में करीब 100 सुरक्षाकर्मियों और सरकारी कर्मचारी तथा लगभग 589 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। इस बीच,

भारत और फ्रांस नई गति और नई ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी इसलिए भी खास है, क्योंकि ये हमारे पुराने सांस्कृतिक-राजनैतिक संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी है। पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर के उद्घाटन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि पेरिस में बना यह भव्य मंदिर सदियों तक दोनों देशों के बीच सहयोग और अवसरों के प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए

हैं। मेरे मित्र राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर दोनों देश विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी, एआई, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में भारत और फ्रांस नई गति और नई ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में भी मना रहे हैं। यह रणनीतिक साझेदारी इसलिए खास है क्योंकि यह हमारे लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों की मजबूत नींव पर आधारित है। पीएम मोदी ने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि फ्रांस में भारतीय सैनिकों के बलिदान की याद आज भी लोगों के दिलों में जीवित है।

प्रधानमंत्री मोदी का आज गुजरात और महाराष्ट्र दौरा, 35 हजार करोड़ से अधिक की सौगात देंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को गुजरात और महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह गुजरात के वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। इसके बाद मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री 8 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे वडोदरा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इनमें पश्चिमी समर्पित माल गलियारे



(डब्ल्यूडीएफ) के तीन महत्वपूर्ण खंडों का राष्ट्र को समर्पण प्रमुख है। इन 326 किलोमीटर लंबे खंडों के निर्माण पर 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है।

इनमें साणंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगांव-न्यू सफाले और न्यू सफाले-जेएनपीटी खंड शामिल हैं। इन खंडों के शुरू होने के साथ ही समर्पित माल गलियारा नेटवर्क

अपनी पूरी लंबाई में परिचालन के लिए तैयार हो जाएगा। जेएनपीए से सीधी रेल कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात माल की तेज आवाजाही संभव होगी। इससे औद्योगिक केंद्रों और बंदरगाहों के बीच संपर्क मजबूत होने, लॉजिस्टिक्स लागत घटने और मुंबई के रेल नेटवर्क पर दबाव कम होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री न्यू साणंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगांव और न्यू जेएनपीटी, मुंबई से मालगाड़ी सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा वडोदरा से टांडा रोड के बीच नई ट्रेन सेवा को भी रवाना करेंगे, जिससे वडोदरा, छोटा उदयपुर और अलीराजपुर जिलों के लोगों को लाभ मिलेगा।

36 हजार फीट की ऊंचाई पर इंजन में आई खराबी, कोच्चि एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी, कोच्चि

इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को उड़ान भरने के करीब 50 मिनट बाद तकनीकी खराबी के चलते वापस लौटना पड़ा। विमान के इंजन-1 में तेल की मात्रा तेजी से कम होने और ऑयल प्रेशर के खतरे की सीमा में पहुंचने के बाद पायलटों ने इंजन बंद कर दिया। इसके बाद विमान को कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के मुताबिक, एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX 415 (बोइंग 737) ने 7 सितंबर को कोच्चि से अबू धाबी के लिए उड़ान भरी थी। टेक-ऑफ के करीब 50 मिनट बाद विमान लगभग 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। इसी दौरान पायलट और को-पायलट ने इंजन-1 में तेल की मात्रा तेजी से घटती हुई देखी। स्थिति को देखते हुए क्रू ने प्रक्रिया के तहत जांच की। जंग ऑयल प्रेशर डेंजर ज़ोन यानी रेड ज़ोन में पहुंच गया, तो पायलटों ने इंजन-1 को बंद करने का फैसला किया। इसके बाद विमान को अबू धाबी ले जाने के बजाय वापस कोच्चि मोड़ दिया गया। लैंडिंग के दौरान किसी भी बड़े हादसे की सूचना नहीं है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इंजन में तेल की मात्रा कम होने और ऑयल प्रेशर घटने की वजह क्या थी।

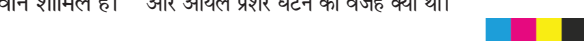
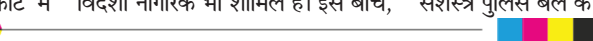
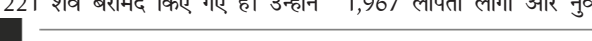
भस्म आरती में राजा स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, शाम को निकलेगी राजसी सवारी, केंद्रीय मंत्री सिंधिया पालकी का पूजन करेंगे



एजेंसी, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर में सोमवार को भस्म आरती के दौरान भांग, चंदन और आभूषण अर्पित कर बाबा महाकाल को राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। वहीं, मंदिर से सोमवार शाम 4 बजे श्रावण-भाद्री मास की राजसी सवारी निकलेगी। इस दौरान अर्वांतिकानाथ नगर का भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। राजसी सवारी में बाबा महाकाल अपने भक्तों को एक साथ छह रूपों के दर्शन होंगे। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि भाद्रपद कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर सोमवार तड़के चार बजे भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खुले। पट खुलते ही पड़े-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर अभिषेक किया गया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार कर त्रिपुंड और रुद्राक्ष की माला से अभिषेक स्वरूप में श्रृंगार किया गया। साथ ही राम नाम के बेलपत्र भी अर्पित किए गए। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को

महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई। भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं धारण कराई गईं। मोंगरे और गुलाब के फूलों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मान्यता है कि भस्म अर्पित होने के बाद भगवान महाकाल अपने भक्तों को एक स्वरूप में दर्शन देते हैं। वहीं, शाम को उज्जैन में भादौ के दूसरे सोमवार पर भगवान महाकाल की राजसी सवारी निकाली जाएगी। इसका मार्ग करीब साढ़े पांच किलोमीटर का होगा। सवारी में शामिल होने के लिए देशभर से श्रद्धालु आएंगे। इससे पहले सावन की चार और भादौ की एक सवारी निकल चुकी है। ये छठी और आखिरी सवारी है। इसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पालकी का पूजन करेंगे। सवारी के दौरान बाबा महाकाल छह स्वरूपों में भक्तों को दर्शन देंगे। अर्वांतिकानाथ चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर मनमहेश, गरुड़ पर शिवतांडव, नंदी पर उमा महेश तथा डोलरथ पर होलकर व सप्तधान रूप में सवार होकर नगर का भ्रमण करेंगे और अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। राजसी सवारी सिंहस्थ के लिए बनाए जा रहे नए भव्य मार्ग से निकलेगी। सवारी में पहली बार दो पुलिस बैठ शामिल रहेंगे।



संक्षिप्त समाचार

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में अज्ञा एकादशी पर विशेष पूजा-अर्चना



रांची। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अज्ञा एकादशी के अवसर पर पहाड़ी मंदिर के समीप स्थित श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में सोमवार को विशेष धार्मिक अनुष्ठान एवं व्रतोत्सव का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी और दिनभर जयकारों तथा मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत भगवान श्रीवेंकटेश्वर के विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम्, मंगलाशासनम्, करावर्तनम् और वेंकटेश्वर प्रपत्ति से हुई। इसके बाद पाञ्चरात्र आगम विधि के अनुसार भगवान का आवाहन कर षोडशोपचार पूजा संपन्न की गई। पूजा के दौरान आसन, अर्घ्य, पाद, मधुपर्क, आचमनीय, स्नान, वस्त्र, विलेपन, यज्ञोपवीत और अलंकार सहित विभिन्न विधियां पूरी की गईं। इसके बाद भगवान वासुदेव, संकर्षण, प्रद्युम्न, अनिरुद्ध, वराह, नृसिंह, माधव और त्रिविक्रम का विभिन्न दिशाओं में न्यास किया गया। भगवान के आयुधों और आवरणों के साथ दिक्पाल देवताओं का भी विधिवत पूजन किया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अज्ञा एकादशी पर भगवान जनार्दन और श्रीवेंकटेश्वर की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से भक्त को जन्म-मृत्यु और जरावस्था के बंधन से मुक्ति मिलती है। इसी आस्था के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और मंगल प्रार्थना की। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। भक्तों ने क्रमबद्ध तरीके से पूजा-अर्चना की और अपनी मनोकामनाओं के लिए प्रार्थना की।

लोजपा विधायक के बेटे के अपहरण की सूचना से रांची में हड़कंप, पुलिस ने सकुशल बरामद किया

एमटी यूनिवर्सिटी गेट के पास मारपीट कर जबरन वाहन में बैठाने का आरोप

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के चतरा से विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ पासवान के कथित अपहरण की सूचना से सोमवार को रांची में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही विधायक ने स्वयं रांची पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न बाहरी मार्गों पर नाकेबंदी कर एंटी क्राइम चेकिंग शुरू की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद विधायक के बेटे को नयासराय के पास से सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, सौरभ पासवान रांची स्थित एमटी यूनिवर्सिटी के छात्र हैं। आरोप है कि सोमवार को यूनिवर्सिटी कैम्पस के गेट के पास कई लोग काले रंग की स्कॉर्पियो सहित अन्य वाहनों से पहुंचे। वहां उन्होंने सौरभ के साथ मारपीट की और कथित तौर पर जबरन वाहन में बैठाकर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक जनार्दन पासवान ने तत्काल रांची पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शहर के विभिन्न मार्गों पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। साथ ही यूनिवर्सिटी के आसपास और घटनास्थल के निकट लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, ताकि संदिग्ध वाहनों और उसमें सवार लोगों की पहचान की जा सके। विधायक जनार्दन पासवान ने बताया कि सोमवार को तीन-चार वाहनों से कुछ लोग पहुंचे थे। उन्होंने उनके बेटे के साथ मारपीट की और कथित तौर पर उसे जबरन अपने साथ ले गए। विधायक के अनुसार, घटना के बाद उनके बेटे की गाड़ी कॉलेज गेट के बाहर खड़ी मिली। पुलिस के अनुसार, फिलहाल मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस संदिग्ध वाहनों और घटना में शामिल लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। सौरभ को किन लोगों ने और किस वजह से अपने साथ ले जाने की कोशिश की, इसका स्पष्ट खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

महिलाओं को वोट बैंक नहीं, नेतृत्व की कमान सौंपनी होगी - सुदेश महतो



रांची। आजसू पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि महिलाओं को वोट बैंक और भीड़ जुटाने का माध्यम समझने की मानसिकता बदलनी होगी। उन्हें नेतृत्व की कमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ना होगा। अपने आवासीय कार्यालय में महिला संवाद एवं सदस्यता कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महिला समूहों का लक्ष्य सिर्फ बचत-लोन नहीं, बल्कि रोजगार, कारोबार और नेतृत्व से जोड़ना था। छोटी सहायता देकर घर तक सीमित रखना समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि 'कमाओ देवी' के तहत महिलाओं को घर से 10-20 हजार की सम्मानजनक आय, पूंजी, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ना लक्ष्य है। इससे परिवार में उनकी निर्णय क्षमता और सम्मान दोनों बढ़ेगा। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं ने आजसू की सदस्यता ली। कार्यक्रम की शुरुआत दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनु को श्रद्धांजलि के साथ हुई। मौके पर रविशंकर मैथी, परवाज खान, संजय महतो, वीणा देवी सहित कई नेता मौजूद थे।

नन्दी मंदिर की दानपेटी चोरी का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर स्थित नन्दी मंदिर में दानपेटी चोरी के मामले का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में अमन साव (19) को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर मंदिर से चोरी की गई रुपये-पैसों से भरी दानपेटी भी बरामद कर ली गई है। कदमा थाना प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि मंदिर समिति की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी कि 05 सितंबर की रात मंदिर में रखी बंद दानपेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी कर ली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों और उपलब्ध सुरागों के आधार पर अमन साव को हिरासत में लिया। पूछाछाछ में पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर मंदिर से चोरी की गई दानपेटी बरामद कर ली गई। पुलिस ने बताया कि दानपेटी में नकदी मौजूद थी। जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार अमन साव का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में भी मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब घटना में उसकी संलिप्तता और चोरी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

चैरिटेबल चार्म्स ने जरूरतमंद बच्चों में बांटी शिक्षण सामग्री

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। चैरिटेबल चार्म्स की ओर से जरूरतमंद अनाथ वंचित बच्चों के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर सोमवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर चैरिटेबल चार्म्स की अध्यक्ष डॉ ख्याति मुंजाल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को स्टेशनरीज और खाद्य सामग्री भेंट की गई। साथ ही बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई कर अपने भविष्य के सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा और सामाजिक संवेदना का विशेष संदेश दिया। मौके पर डॉ ख्याति मुंजाल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चा का अधिकार है और आर्थिक परिस्थितियां किसी भी बच्चे के सपनों में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान



लाना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना संस्था के लिए सबसे बड़ी खुशी है। मौके पर जनसंपर्क समिती की चेयरपर्सन रूपम झा ने कहा कि बच्चों की मुस्कान ही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। सचिव मौमिता चौधरी ने बच्चों के लिए प्यार,

प्रोत्साहन और विश्वास को भी जरूरी बताया। कौशल विकास की अध्यक्ष प्रभा सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल विकास बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में बच्चों के बीच शिक्षा, सकरात्मक सोच और आत्मनिर्भरता

को लेकर संवाद किया गया। इस अवसर पर सरिता और अमृता ने भी बच्चों को अपने सपनों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में रूपम झा, मौमिता चौधरी, प्रभा सिंह, सरिता, अमृता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रांची के कोकर समेत सात ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, तृणमूल सांसद नदीमुल हक से जुड़ा मामला

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सदस्य मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को देश के सात राज्यों में एक साथ छापेमारी की। रांची के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली और कोलकाता समेत सात स्थानों पर ईडी की कार्रवाई चल रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रांची के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक परिसर को भी तलाशी के दायरे में शामिल किया गया है। छापेमारी का मुख्य केंद्र कोलकाता बताया जा रहा है। ईडी की यह कार्रवाई सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले कथित कंटेंट के प्रकाशन, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और सौदों के जर्िए कथित फंडिंग से जुड़ी शिकायतों के सिलसिले में



की जा रही है। मामला 'अखबार-ए-मशरिक प्राइवेट लिमिटेड' के उर्दू दैनिक में प्रकाशित कुछ सामग्री और अखबार में किए गए कथित निवेश से संबंधित है। ईडी ने विधाननगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े तथ्य सामने आने

के बाद ईडी ने कोलकाता, दिल्ली और रांची में कुल सात ठिकानों पर तलाशी शुरू की। रांची में कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित 'अखबार-ए-मशरिक' के कार्यालय में ईडी की टीम दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्डों की जांच कर रही है। फिलहाल सभी ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई जारी है।

रांची में बाइक चोरी गिरोह का भंडाफोड़, सात आरोपित गिरफ्तार, चोरी की चार बाइक बरामद



राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। रांची के लोअर बाजार थाना पुलिस ने सदर अस्पताल के आसपास बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की चार बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुमला निवासी इरफान अंसारी, बेड़ो निवासी मो. केश आलम, मोसिन राय, इमरान आलम उर्फ भालो, मो. जफरुल्ला, शाहिद राय तथा गुमला जिले के सिस्ई निवासी सैफ अंसारी के रूप में हुई है। नगर पुलिस उपाधीक्षक (सिटी डीएसपी) केवी रमण ने सोमवार को बताया कि सदर अस्पताल के आसपास लगातार बाइक चोरी की घटनाएं हो रही

थीं। इसे देखते हुए वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर अस्पताल के आसपास तैनात टाइगर मोबाइल, पीसीआर और माइक टीम को विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में पुलिस को सदर अस्पताल परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति के बाइक चोरी की फिराक में घूमने की सूचना मिली। पुलिस ने सूचना का सत्यापन करते हुए संदिग्ध को अस्पताल परिसर से पकड़ा। उसकी निशानदेही और कथित स्वीकारोक्ति के आधार पर चार चोरी की बाइक बरामद की गई। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी लव कुमार सिंह, संतोष कुमार रजक, देवानंद कुमार यादव, दीपक किशोर तिवारी, सुधीर बाड़ा, रंजीत कुमार, अजय कुमार सिंह समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सहायक आचार्य परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर हाई कोर्ट में 28 सितंबर को अगली सुनवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला लागू किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से अदालत में दूढ़े अदालत ने प्रार्थियों और जेएसएससी, दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 सितंबर की तिथि निर्धारित की। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृताश वत्स, अधिवक्ता शुभम मिश्रा और अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता ने पक्ष



रखा। वहीं, जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने अदालत के समक्ष आयोग का पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान प्रार्थियों नियमों के अनुरूप नहीं है। प्रार्थियों की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि नॉर्मलाइजेशन का न्यायिक विवाद में लागू की गई है, जबकि नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित

नियुक्ति नियमावली में नॉर्मलाइजेशन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। ऐसे में परीक्षा के परिणाम तैयार करने के लिए इस फॉर्मूले को लागू करना नियमों के अनुरूप नहीं है। प्रार्थियों की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि नॉर्मलाइजेशन की व्यवस्था बाद में लागू की गई है, जबकि नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित

मूल नियमावली में इसका उल्लेख नहीं है। इस आधार पर उन्होंने नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूले को चुनौती दी है। दूसरी ओर, जेएसएससी ने प्रार्थियों की दलीलों का विरोध किया। आयोग की ओर से कहा गया कि परीक्षा के विज्ञापन में नॉर्मलाइजेशन की व्यवस्था के संबंध में स्पष्ट जानकारी दी गई थी। आयोग ने यह भी अदालत को बताया कि उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्ति प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का आदेश दिया गया है। इसलिए पूरी प्रक्रिया को निर्धारित समय में आगे बढ़ाना आवश्यक है। यह याचिका प्रार्थी गिरधर राउत एवं अन्य की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम में नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला लागू किए जाने की वैधता पर सवाल उठाया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता पर कार्रवाई नहीं होने से सीआईडी जांच की निष्पक्षता पर सवाल : बाबूलाल मरांडी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेएसएससी-सीजीएल मामले की जांच को प्रभावित करने, उसे गलत दिशा में ले जाने और डिजिटल साक्ष्य नष्ट करने के आरोपों से धिरे अनुराग गुप्ता पर कार्रवाई करने में मुख्यमंत्री की हिचकिचाहट कई सवाल खड़े करती है। मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि अनुराग गुप्ता छात्रों की ओर से लगाए गए पेपर लीक के आरोपों को गलत साबित करने पर आमादा थे। उन्होंने सवाल किया कि वे खुले तौर पर मीडिया के सामने आकर इन आरोपों को खारिज करने की कोशिश क्यों कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि झारखंड के छात्र और बेरोजगार आज यही सवाल पूछ रहे हैं। जिस अधिकारी की भूमिका पर जांच को प्रभावित करने के गंभीर सवाल उठ रहे हों, उस पर कार्रवाई किए बिना



सीआईडी की जांच और उसकी निष्पक्षता पर भरोसा कैसे किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि उन्हें राज्य के लाखों युवा बेरोजगारों के भविष्य की चिंता है तो इस मामले में हिम्मत दिखानी चाहिए। अनुराग गुप्ता की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोष साबित होने पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मरांडी ने कहा कि जांच से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई नहीं होगी और उन्हें सजा नहीं मिलेगी, तो भविष्य में किसी अधिकारी को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने से डर नहीं लगेगा।

रांची समेत कई जिलों में झमाझम बारिश, 13 सितंबर तक बारिश-वज्रपात का येलो अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित कई जिलों में पिछले दो-तीन दिनों से जारी गर्मी और उमस के बीच सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश से लोगों को राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया। दोपहर में हुई जोरदार बारिश से रांची के कई इलाकों में जलजमाव हो गया। कई सड़कों पर पानी भरने से लोगों का आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने 13 सितंबर तक रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। इस दौरान कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 112.4 मिलीमीटर बारिश गिरिडीह जिले के



मूसलाधार बारिश से गर्मी और उमस से राहत, जलजमाव ने बढ़ाई परेशानी

35.0 और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टनगंज में 32.8 और 25.9 डिग्री, बोकारो में 34.5 और 25.1 डिग्री तथा चाईबासा में 35.4 और 24.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम

जगन्नाथपुर मंदिर कमेटी विवाद : हाई कोर्ट ने मांगी जमीन और अतिक्रमण की जानकारी, 16 सितंबर को अगली सुनवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति आनंदा सेन की अदालत में हुई सुनवाई के दौरान मंदिर के संचालन एवं प्रबंधन के लिए प्रस्तावित योजना (स्कीम) के अध्ययन के लिए गठित 11 सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत नहीं की। समिति ने अदालत से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि उसका स्वरूप क्या होगा और उसे किन-किन कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी। सुनवाई के दौरान जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति की ओर से मामले के मैरिट पर सुनवाई किए जाने का आग्रह किया गया। वहीं, प्रार्थियों की ओर से मंदिर की जमीन पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा भी अदालत के समक्ष उठाया गया। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने मंदिर के पास कुल कितनी जमीन है और उसमें से किसी हिस्से पर अतिक्रमण है या नहीं, इसकी जानकारी मांगी। अदालत ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई अब 16 सितंबर को होगी। झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान मंदिर के



संचालन और प्रबंधन के लिए प्रस्तावित व्यवस्था तथा उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में उच्च न्यायालय ने महाधिवक्ता रोहित राय की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति को जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन एवं प्रबंधन से संबंधित स्कीम का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट अदालत को सौंपनी थी। सोमवार की सुनवाई में समिति की ओर से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इससे पहले अदालत ने झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड को झारखंड हिंदू धार्मिक ट्रस्ट बोर्ड एक्ट की धारा 32 के तहत जगन्नाथपुर मंदिर के

संचालन एवं प्रबंधन को लेकर एक स्कीम प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके अनुपालन में बोर्ड ने मंदिर के संचालन और प्रबंधन से संबंधित स्कीम अदालत के समक्ष प्रस्तुत की थी। अब अदालत के समक्ष मुख्य रूप से यह स्पष्ट होना है कि प्रस्तावित स्कीम को किस स्वरूप में लागू किया जाएगा, मंदिर के संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी किस व्यवस्था के तहत होगी और मंदिर की जमीन से जुड़े अतिक्रमण के आरोपों की वास्तविक स्थिति क्या है। समिति द्वारा मांगी गई स्पष्टता तथा जमीन संबंधी जानकारी के बाद मामले की सुनवाई 16 सितंबर को आगे बढ़ेगी।

सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी को लेकर जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो ने जताई नाराजगी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड में जारी राजनीतिक हलचल के बीच झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) से जुड़ी सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उनके आधिकारिक फेसबुक अकाउंट की प्रोफाइल एडिट कर पदनाम और अन्य विवरण गलत एवं मनगढ़ंत तरीके से प्रस्तुत किए गए हैं। भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत में महतो ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके अकाउंट से संबंधित वायरल की जा रही जानकारी का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह जेएलकेएम के सिपाही हैं और संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो से लगातार बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष के दिशा-निर्देश पर ही पूरे राज्य में भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा



संचालित की जा रही है। महतो ने आरोप लगाया कि संगठन के बढ़ते जनाधार से विरोधी बर्णनाएं हुए हैं और इसी कारण सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रामक सूचनाओं और सोशल मीडिया प्रचार से संगठन की एकता प्रभावित नहीं होगी। कार्यकर्ताओं की एकजुटता बरकरार रहेगी और संगठन अपने निर्धारित कार्यक्रमों को आगे भी मजबूती से जारी रखेगा।

बीएसएल में कार्यसंस्कृति को बेहतर बनाने की दोहरी पहल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में सुरक्षित कार्य वातावरण, पारदर्शिता और उच्च नैतिक मानकों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोमवार को दो बड़े कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग द्वारा 7 से 12 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाले सुरक्षा सप्ताह का संयुक्त रूप से उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल) तथा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने किया। इस दौरान विभाग के वरीय अधिकारी, कर्मचारी और संविदा कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस सुरक्षा सप्ताह का मुख्य फोकस चार प्रमुख



कोक ओवन में सुरक्षा सप्ताह, तो एचआरडी में निवारक सतर्कता कार्यक्रम का आगाज

विषयों- पीपल, लाइन ऑफ फायर, माय एरिया-माय रिस्पॉन्सिबिलिटी और सेफ्टी कल्चरल ट्रांसफॉर्मेशन पर है। अधिकारियों ने अपने



संबोधन में कहा कि सुरक्षा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि संपूर्ण कार्यबल की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। सप्ताह भर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। दूसरी ओर, बीएसएल सतर्कता

एचएमकेयू की बोकारो थर्मल शाखा कमेटी का पुनर्गठन, हेमलाल बने अध्यक्ष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल: हिंद मजदूर किसान यूनियन (एचएमकेयू) की बोकारो थर्मल शाखा कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को रंगनाथ चौबे की अध्यक्षता में शाखा कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित यूनियन के केंद्रीय महासचिव इंद्रदेव महतो के मार्गदर्शन में संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को रोजगार से जोड़ने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी 28 सितंबर को बोकारो थर्मल प्लांट गेट के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की रणनीति बनाई गई।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से पुरानी शाखा कमेटी को भंग करते हुए नई कमेटी का पुनर्गठन किया गया।

आडंबर नहीं, आत्मा से परिचय है विहंगम योग : विज्ञानदेव जी महाराज स्वर्वेद यात्रा के जरिए बोकारो में आध्यात्मिक चेतना का नया शंखनाद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कन्याकुमारी से कश्मीर तक आध्यात्मिक चेतना फैलाने के उद्देश्य से निकली स्वर्वेद संदेश यात्रा के बोकारो पहुंचने पर इस्पात नगरी भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर हो गई। विहंगम योग के संत सुपूज्य विज्ञानदेव जी महाराज के बोकारो आगमन पर उकरींद मोड़ पर श्रद्धालुओं और संत समाज ने उनका भव्य अभिषेक किया। अगली सुबह विहंगम योग बोकारो आश्रम से संत विज्ञानदेव जी महाराज की आरुढ़ाई में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जो बोकारो क्लब (सेक्टर-5) पहुंची। वहां पवित्र श्वेत ध्वज फहराने और दीप प्रज्वलन के साथ पांच चरणों वाले महाआयोजन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान झारखंड दर्शन के संपादक व मीडिया प्रभारी विनय कुमार तिवारी द्वारा प्रकाशित हिंदी मासिक पत्रिका आदित्य वैभव का संत श्री के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर 'विहंगम योग संदेश' के संपादक सुखनंदन सिंह सदय, यू.पी. सिंह, डॉ. अशोक



कुमार पाण्डेय और डॉ. प्रदीप कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्वर्वेद कथा के पश्चात श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए संत विज्ञानदेव जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं है। विहंगम योग कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि मनुष्य को उसकी अंतरात्मा के मूल स्वरूप से परिचित कराने वाली दिव्य साधना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के तनावभरे माहौल में परिवार और समाज में शांति

राजमहल में आधी रात को घर से गायब हुई विवाहिता, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज राजमहल। थाना क्षेत्र के कन्हैया स्थान से एक 19 वर्षीय विवाहिता के आधी रात को घर से गायब होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने एक युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए राजमहल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि घटना 5 सितंबर की रात करीब 2 बजे की है। सुबह उठने पर उनकी बेटी घर में मौजूद नहीं थी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। खोजबीन के दौरान ग्रामीणों से जानकारी मिली कि थाना क्षेत्र के सरकंडा निवासी सुरज कुमार मंडल उनकी पुत्री को मोटरसाइकिल पर बैठकर अपने साथ ले गया है। इसके बाद परिजन थाना



पहुंचे और कारवाई की मांग की। पुलिस ने महिला के आवेदन के आधार पर कांड संख्या 307/26

डीवीसी अधिकारियों ने शब्दों की पहेली में दिखाई प्रतिभा हिन्दी पखवाड़ा के तहत प्रशासनिक शब्दावली व टिप्पण-आलेखन प्रतियोगिता आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा (बोकारो) : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी), चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के तहत सोमवार को प्रशासनिक शब्दावली एवं टिप्पण-आलेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन उपसमिति के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता की सबसे खास बात यह रही कि इसमें हिंदी एवं हिंदीतर भाषी अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई थीं, ताकि सभी संवर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक, प्रभावी एवं व्यावहारिक प्रयोग के लिए प्रेरित करना तथा प्रशासनिक शब्दावली



और आलेखन संबंधी उनकी कार्यक्षमता को और अधिक निखारना था। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने भाषा ज्ञान, लेखन कौशल और प्रशासनिक समझ का शानदार प्रदर्शन किया।

आयोजित प्रतियोगिता के निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए श्री रंजीत कुमार निराला, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव एवं पूनम कुमारी की एक विशेष निर्णायक मंडली गठित की गई थी। निर्णायकों

ईएसएल ने शिक्षकों-प्रशिक्षकों को किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लार्गू पाय... की पावन परंपरा को जीवंत करते हुए वेदांता समूह की कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व के तहत शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कंपनी द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक केंद्रों और खेल अकादमियों में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से उन शिक्षकों, प्रशिक्षकों और मार्गदर्शकों के अमूल्य योगदान को सलाम किया गया, जो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं के स्वर्णिम भविष्य की नींव रख रहे हैं।

ईएसएल स्टील के फ्लैगशिप 'प्रोजेक्ट शिक्षा' के तहत संचालित 8 लर्निंग रिसोर्स सेंटर और 12 नंदधरों में उत्सव का माहौल रहा। 900 से अधिक बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विज्ञ, चित्रकला (पेंटिंग) और विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी मेधा प्रदर्शित की। मासूम बच्चों ने अपने हाथों से बनाए हुए ग्रीटिंग कार्ड्स और उपहार अपने गुरुओं को भेंट कर उनके प्रति



अपना अपार स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की।

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने सभी शिक्षकों व प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक दिवस के बच्चों के भविष्य के शिल्पकार हैं, बल्कि वे समाज को सही दिशा दिखाने वाले पथ-प्रदर्शक भी हैं। वे केवल ज्ञान ही नहीं बांटते, बल्कि बच्चों के भीतर छिपे आत्मविश्वास और क्षमताओं को जागृत हैं। ईएसएल स्टील में हम शिक्षा और युवा सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। प्रोजेक्ट शिक्षा और हमारी आर्चरी अकादमी

स्वामी विवेकानंद मैदान बढहाल, खिलाड़ी और मॉर्निंग वॉर्कर्स परेशान एसटीपी पाइपलाइन बिछाने के बाद गह्रों को नहीं किया गया समतल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान की स्थिति इन दिनों काफ़ी दयनीय हो गई है, जिससे खिलाड़ियों और आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में मैदान के एक बड़े भूभाग में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की पाइपलाइन बिछाने के लिए बड़े-बड़े गड्ढे खोदे गए थे। आरोप है कि काम पूरा होने के बाद संबंधित ठेका कंपनी ने गड्ढों को समुचित ढंग से समतल किए बिना ही अव्यवस्थित तरीके से भर कर छोड़ दिया।

अधूरें और अव्यवस्थित तरीके से भरे गए इन गड्ढों के कारण मैदान में जगह-जगह पानी भर गया है और दलदल जैसी स्थिति बन गई है। जलजमाव व कीचड़ की वजह से सुबह-सुबह मैदान में फुटबॉल का



अभ्यास करने वाले युवा खिलाड़ियों का खेल पूरी तरह बाधित हो गया है। इसके अलावा, रोजाना सुबह-शाम ठहरने वाले स्थानीय नागरिकों और बुजुर्गों को भी आवाजाही में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

फुटबॉल कोच विजय सिंह ने इस अव्यवस्था पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यदायी एजेंसी का यह नैतिक दायित्व था कि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल: गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने सोमवार को कोलकाता स्थित डीवीसी मुख्यालय पहुंचकर नवनियुक्त चेयरमैन (आईएसएस) राजेश पांडेय और मंत्री सेक्रेटरी एसएस दास से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक के दौरान डीवीसी चेयरमैन ने सांसद का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस उच्चस्तरीय बैठक में क्षेत्र के विस्थापितों की मांगों, पेंशनभोगियों की समस्याओं तथा बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा में नए पावर प्लांट के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

वार्ता के दौरान डीवीसी चेयरमैन ने सांसद को आश्वासन दिया कि बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा में आगामी छह महीने के भीतर नया पावर प्लांट लगाने की प्रशासनिक व तकनीकी प्रक्रिया आधिकारिक रूप से आरंभ कर दी जाएगी। इसके अलावा, कोनार डैम में सोलर पावर प्लांट की स्थापना को लेकर भी सकारात्मक सहमति बनी। नए पावर प्लांट के निर्माण को गति देने के लिए आगामी अक्टूबर महीने में डीवीसी चेयरमैन और सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी संयुक्त रूप से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात करेंगे।

सांसद चौधरी ने स्थानीय विस्थापितों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए जल्द समाधान की मांग की। इस पर डीवीसी प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि विस्थापितों को शीघ्र पैप कार्ड दिए जाएंगे और हस्तांतरित जमीन के



सांसद चंद्र प्रकाश ने की डीवीसी चेयरमैन से मुलाकात, मिला आश्वासन

म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। साथ ही, डीवीसी के पेंशनभोगियों की समस्याओं के समयबद्ध निवारण के लिए एक नई कमेटी गठित करने का फैसला लिया गया। इस अवसर पर डीवीसी के मंत्री टेक्निकल एग्सेक्यूटिव, विस्थापित नेता दिनेश्वर मंडल, दीपक महतो और जितेंद्र यादव सहित कई अन्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

खाद्य संयम दिवस के साथ जैन समाज का पर्युषण महापर्व आज से, तैयारियां पूरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, चास-बोकारो के तत्वावधान में इस वर्ष भी जैन धर्मावलंबियों का अति पावन पर्युषण महापर्व मंगलवार को खाद्य संयम दिवस के साथ शुरू हो रहा है। चास के पुराना कुलदीप टॉकीज को परिसर स्थित मानकचंद छल्लाणी निवास स्थान पर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी लगातार नौ दिनों तक यह पर्व मनाया जाएगा। आचार्य श्री महाश्रमण जी के आध्यात्मिक निर्देशन में उपासिका श्रीमती शांति गुजरानी एवं सुश्री निहारिका सिंधी अपने ओजपूर्ण प्रवचनों से लोगों को लाभान्वित करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभा के अध्यक्ष विनोद चोपड़ा, मंत्री सुभाष जैन, अंबिका, सोनू बांडिया, मानक छल्लाणी, सुरेश बोथरा, सुशील बैद, शांति लाल लोढ़ा आदि लोग हैं। सोमवार को महापर्व की पूर्व

संध्या पर आयोजित एक बैठक में कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

इस आशय की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी सुरेश बोथरा ने बताया कि मंगलवार 8 सितंबर को खाद्य संयम दिवस के साथ शुरू होने वाले इस महापर्व की श्रृंखला में आगे बुधवार 9 सितंबर को स्वाध्याय दिवस, गुरुवार 10 सितंबर को सामायिक दिवस, शुक्रवार 11 सितंबर को वाणी संयम दिवस तथा शनिवार 12 सितंबर को व्रत चेतना दिवस मनाया जाएगा। इसके उपरांत रविवार 13 सितंबर को जप दिवस और सोमवार 14 सितंबर को ध्यान दिवस के रूप में आयोजित किया जाएगा। पर्व का मुख्य आकर्षण मंगलवार 15 सितंबर को भगवती संवत्सरी महापर्व के रूप में रहेगा, जबकि बुधवार 16 सितंबर को क्षमापना दिवस के साथ इस आठ दिवसीय आध्यात्मिक महापर्व का औपचारिक समापन होगा।

शिक्षकों का मार्गदर्शन ही समाज की असली ताकत : सीईओ रवीश

930 से अधिक बने सहभागी, हजारों जीवन में फैला उजियारा- शिक्षक दिवस पर आयोजित इन बहुआयामी कार्यक्रमों में कुल 930 से अधिक लाभार्थियों ने सहभागिता की। ईएसएल स्टील की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि प्रोजेक्ट शिक्षा के माध्यम से वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 1,548 विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ा जा चुका है। वहीं, वेदांता आस विद्यालय के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के जरिए अब तक 1,700 से अधिक बच्चों तक आधुनिक शिक्षा की अत्यक्ष जगाई जा चुकी है। कुल मिलाकर, ईएसएल स्टील लिमिटेड अपनी इन निरंतर हलों के जरिए न केवल शिक्षा और खेलों को नया आयाम दे रहा है, बल्कि आसपास के ग्रामीण समुदायों के सर्वांगीण विकास की एक नई पटकथा भी लिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

लीला जानकी पब्लिक स्कूल में स्व. सुदीप कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि



पेटरवार। लीला जानकी पब्लिक स्कूल, रघुनाथपुरम, पेटरवार में झारखंड सरकार के मंत्री स्व सुदीप कुमार सोनू के निधन पर सोमवार को शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के निदेशक नीरज कुमार सिन्हा, प्राचार्य सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पुष्पांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से स्वर्गीय सुदीप कुमार सोनू के सम्मान में विद्यालय में अवकाश भी रखा गया। प्रार्थना सभा में सुनील दास, गुरु विकास कुमार, अमन कुमार, अभिषेक खन्ना, अनंत सिन्हा, समीर महादानी, दिवाकर सिंह, शर्मिला चौधरी, पूजा राय, रश्मि वर्धन, विद्या ओझा, अंजली कुमारी, खुशबू तिवारी, आर्जु प्रवीण सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

डुमरी में मंत्री सुदित्य सोनू को श्रद्धांजलि, सहियाओं ने रखा 2 मिनट का मौन

डुमरी: झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदित्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर राज्य सरकार ने 6 और 7 सितंबर को दो दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया है। इसी के तहत सोमवार को डुमरी प्रखंड के सभी 14 कलस्टर्स में शोक सभा का आयोजन किया गया। सभी कलस्टर्स की सहिया, सहिया साथी एवं बीटीटी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही ईश्वर से दिवंगत के परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। इस मौके पर बीटीटी मानिकचंद महतो, उषा देवी, सहिया साथी सुमित्रा देवी, गीता देवी, वीणा देवी समेत दर्जनों सहिया उपस्थित थीं।

भाजपा तपकरा मंडल की मासिक बैठक सह कार्यशाला आयोजित



खूंटी। भारतीय जनता पार्टी तपकरा मंडल की मासिक बैठक सह कार्यशाला सोमवार को जरिया पंचायत के सोनपुरागढ़ में मंडल अध्यक्ष मुष्कू स्वांसी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी सेवा संकल्प अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा खूंटी जिला उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और इसकी रूपरेखा की विस्तार से जानकारी दी। तपकरा मंडल के प्रवासी कृपासिंधु बेहरा ने जनसंघ के गठन से लेकर वर्तमान समय तक संगठन के विकास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में किए गए कार्यों की जानकारी कार्यकर्ताओं के बीच रखी। तोरपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष पुरेंद्र मोड़ी ने भाजपा के संगठनात्मक ढांचे और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। वहीं तपकरा मंडल की प्रभारी उर्मिला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन और कार्यकाल को लेकर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मंडल प्रतिनिधि अजीत राय ने किया। बैठक में किसान मोर्चा के जिला महामंत्री गंडू प्रधान, कैलाश कांसी, चिंता महतो, अरुण महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छह महीने से पेंशन नहीं मिलने पर लाभुकों ने खोला मोर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

भास्कर न्यूज|गोला: प्रखंड क्षेत्र के बरलंगा में वृद्ध एवं विधवा पेंशनधारियों के बीच पेंशन राशि को लेकर गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। लंबे समय से पेंशन का भुगतान नहीं होने से नाराज लाभुकों ने सोमवार को सरकार के खिलाफ खुला मोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान पेंशनधारियों ने जल्द से जल्द लंबित राशि का भुगतान करने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे लाभुकों का कहना है कि उन्हें करीब छह महीने से पेंशन की राशि नहीं मिली है। पेंशन पर निर्भर बुजुर्गों और विधवा महिलाओं के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। कई लाभुकों ने कहा कि पेंशन की राशि से ही भोजन, दवा और अन्य जरूरी खर्च चलते हैं। लगातार भुगतान नहीं होने से उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है और कई परिवारों में भूखमरी जैसी



» **वृद्ध व विधवा पेंशनधारियों की बड़ी परेशानी, बोले— राशि नहीं मिली तो भूखमरी की नौबत**

स्थिति उत्पन्न होने लगी है। लाभुकों ने कहा कि सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए पेंशन योजना चलाती है, लेकिन समय पर राशि नहीं मिलने से

छह महीने से पेंशन नहीं मिलने पर लाभुकों ने खोला मोर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। प्रखंड क्षेत्र के बरलंगा में वृद्ध एवं विधवा पेंशनधारियों के बीच पेंशन राशि को लेकर गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। लंबे समय से पेंशन का भुगतान नहीं होने से नाराज लाभुकों ने सोमवार को सरकार के खिलाफ खुला मोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान पेंशनधारियों ने जल्द से जल्द लंबित राशि का भुगतान करने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे लाभुकों का कहना है कि उन्हें करीब छह महीने से पेंशन की राशि नहीं मिली है। पेंशन पर निर्भर बुजुर्गों और विधवा महिलाओं के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। कई लाभुकों ने कहा कि पेंशन की राशि से ही भोजन, दवा



और अन्य जरूरी खर्च चलते हैं। लगातार भुगतान नहीं होने से उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है और कई परिवारों में भूखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न होने लगी है। लाभुकों ने कहा कि सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए पेंशन योजना चलाती है, लेकिन समय पर राशि नहीं मिलने से योजना का उद्देश्य ही प्रभावित हो

रहा है। उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से मामले की तत्काल जांच कर लंबित पेंशन का भुगतान करने की मांग की है। हालांकि, पेंशन वास्तव में कितने महीनों से लंबित है, इसका आधिकारिक सत्यापन संबंधित विभाग की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। लेकिन लाभुकों का दावा है कि उन्हें करीब छह माह से राशि नहीं मिली है। इस संबंध में

■ **वृद्ध व विधवा पेंशनधारियों की बड़ी परेशानी, बोले— राशि नहीं मिली तो भूखमरी की नौबत**

डीसी ऋतुराज ने दूरभाष पर बताया कि मामले को संज्ञान में आते ही इसकी जांच कराकर ही कुछ बता पाऊंगा।

मौके पर हनु प्रसाद साहू, सुमित्रा देवी, इंदु देवी, मो. सुभद्रा, बेला देवी, सत्य देवी, झुनिया देवी, मो. राधिया देवी, मो. टिबरी देवी, भगवान दास केवट, जितू साहू, समल सिंह मुंडा, रथु प्रसाद साहू, सुलोचना देवी, मो. संध्या देवी, मो. आलोमनी देवी, माधुरी देवी, मो. शांति देवी, कलावती देवी, निरंजन गोस्वामी, बसंत साहू, चामना तेली आदि मौजूद थे।

डुमरी में भाजपा मंडल की मासिक बैठक सम्पन्न



राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: भाजपा डुमरी मंडल की मासिक बैठक सोमवार को भरखर पंचायत सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष केदार महतो ने की, जबकि संचालन युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष उपेन्द्र पाण्डेय ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री सह मंडल प्रभारी सिकंदर हेंब्रम, वरीय भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल,

किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी कामाख्या गिरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण कांत शर्मा, युगल किशोर महतो, विहिप के बिनोद रजक सहित रामेश्वर महतो, राजू पंडित, दुलारचंद महतो, तुलसी साहू, नीतीश कुमार, गणेश कुमार, कैलाश कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'सेवा पखवाड़ा' को लेकर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के

आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए संयोजक एवं सह-संयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों में पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। अंत में गिरिडीह के पूर्व विधायक निधय शाहबादी की दिवंगत धर्मपत्नी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया।

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने को लेकर कार्यशाला

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजु। हाथमारा पोचरा स्थित रामगढ़ जिला भाजपा कार्यालय में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह व मंच संचालन जिला महामंत्री राजू चुतुवेंदी ने किया। कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष रakesh प्रसाद, विधायक रोशन लाल चौधरी व पूर्व विधायक किशुन कुमार दास उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण के बाद सांस्कृतिक वंदे मातरम् गायन से किया। जिलाध्यक्ष ने स्वागत भाषण व विषय प्रवेश कर अभियान की रूपरेखा रखी। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश समग्र विकास के रास्ते आत्मनिर्भरता व सुशासन की ओर



■ **विकसित भारत का संकल्प मोदीजी की अगुवाई में हो रहा साकार : रोशनलाल चौधरी**

बढ़ चला है। कहा विकसित भारत 2047 का संकल्प अब केवल लक्ष्य नहीं, जनभागीदारी से साकार होता अभियान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा संकल्प अभियान को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

पूर्व विधायक किशुन कुमार दास ने अभियान अंतर्गत 14 प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी। कहा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आशीर्वाद का एक दिया कार्यक्रम

के तहत बूथ व घरों में दीप जलाया जाएगा। वहीं बच्चों के लिए भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता, नमो सेवा गाथा के तहत नुक्कड़ नाटक, आंगन का उत्सव अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान के साथ ही सेवा ज्योति यात्रा के तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नन्दजी प्रसाद ने अभियान की सफलता के लिए रामगढ़ जिले के सभी 15 मंडलों में 9 - 12 सितंबर तक मंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित किए जाने की जानकारी दी। जिला प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो ने विशेष गहन पुरोक्षग अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण

के तहत बूथ व घरों में दीप जलाया जाएगा। वहीं बच्चों के लिए भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता, नमो सेवा गाथा के तहत नुक्कड़ नाटक, आंगन का उत्सव अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान के साथ ही सेवा ज्योति यात्रा के तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नन्दजी प्रसाद ने अभियान की सफलता के लिए रामगढ़ जिले के सभी 15 मंडलों में 9 - 12 सितंबर तक मंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित किए जाने की जानकारी दी। जिला प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो ने विशेष गहन पुरोक्षग अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण

के तहत बूथ व घरों में दीप जलाया जाएगा। वहीं बच्चों के लिए भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता, नमो सेवा गाथा के तहत नुक्कड़ नाटक, आंगन का उत्सव अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान के साथ ही सेवा ज्योति यात्रा के तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नन्दजी प्रसाद ने अभियान की सफलता के लिए रामगढ़ जिले के सभी 15 मंडलों में 9 - 12 सितंबर तक मंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित किए जाने की जानकारी दी। जिला प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो ने विशेष गहन पुरोक्षग अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण

दक्षिण में सफल डीसीपी दीपेंद्र का परिश्रम, टीम इंस्पेक्टर रवींद्र के नेतृत्व में 15 साल से फरार शातिर गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर तरह के अपराधियों के खिलाफ कर्मिश्नरनेट पुलिस का अभियान लगातार जारी है, जिसमें दक्षिण पुलिस भी अखल चल रही है। उसके द्वारा अपराधियों के खिलाफ जारी प्रभावी कार्यवाही के क्रम में थाना बर्रा के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर रवीन्द्र श्रीवास्तव की अगुवाई वाली यादव मार्केट के चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर सनी कुमार, बर्रा के चौकी प्रभारी समर सिंह, सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, सहायक निरीक्षक जितेंद्र कुमार, रिटूट कांस्टेबल विकास व्यास, सिबिलास, साइबर और तकनीकी के सब इंस्पेक्टर अजय गंगवार, देवेंद्र कुमार, जोनी व्यागी, कांस्टेबल शांति साइबर थाने के हेड कांस्टेबल हरमेश मिश्रा और कांस्टेबल शिवम की तेजतर्रार टीम ने तकनीकी संसाधनों एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर बर्रा में दर्ज मुकदमों से सम्बन्धित और



फरार होने की दशा में 50,000/- रुपये के इनामिया अभियुक्त संजय अग्रवाल उर्फ संजीव राज गोयल पुत्र कृष्णराम गोयल उर्फ कृष्ण प्रसाद अग्रवाल निवासी तिरुपति हाईट्स नानाखेड़ा थाना नानाखेड़ा जिला उत्तर मध्य प्रदेश तथा 25,000/- रुपये के इनामिया अभियुक्त राहुल अग्रवाल पुत्र संजय अग्रवाल उर्फ संजीव राज गोयल निवासी उपरोक्त को नानाखेड़ा बस स्टैण्ड थाना नानाखेड़ा जिला उत्तर मध्य प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली।

इन दोनों जालसाज शातिर ठग अपराधियों के खिलाफ विभिन्न थानों में

एसटी सूची से हटाए जाने के विरोध में कुड़मी समुदाय ने मनाया काला दिवस



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। कुड़मी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची से हटाए जाने के विरोध में रविवार देर शाम को कुड़मी समुदाय की ओर से काला दिवस मनाया गया। इस दौरान लोगों ने काला झंडा लेकर तथा माथे पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। 6 सितंबर 1950 को कुड़मी समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाए जाने की घटना को लेकर समुदाय के लोग प्रत्येक वर्ष 6 सितंबर को काला दिवस के रूप में मनाते हैं। इसी क्रम में पेटरवार हाई स्कूल मैदान से विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया,

जो छत्रगाम महतो चौक तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए और कुड़मी समुदाय को पुनः अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान समुदाय के लोगों ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए सरकार से इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से चुंबन महतो, उमेश कुमार महतो, प्रहलाद हिंदड़आर, बेनीलाल महतो, अनंत महतो, कसमार गोरिया, कुदर पिंदु कुमार महतो, अरविंद महतो, मुकुंद महतो, नागेश्वर महतो, पिंदू महतो, राजू महतो, महेंद्र महतो, पप्पू महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कानपुर में बहू ने ही करवाई थी करोड़पति की हत्या, नौकर साथी संग गिरफ्तार, बहु से भी पूछताछ शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बीते शनिवार को कल्याणपुर थाना क्षेत्र में हुए बहुचर्चित करोड़पति दवा व्यवसायी हत्याकांड का खुलासा कर दिया गया है। उसकी हत्या उसकी ही बहू ने नौकर को पैसे का लालच देकर करवाई थी। घटना में हत्यारे नौकर के साथ ही उसके दोस्त को भी मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है। अब पुलिस पूछताछ कर बहू को भी जेल भेजने की तैयारी कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बहु ससुर द्वारा मनमाने तरीके से रहन-सहन और खान-पान पर रोक-टोक करने की वजह से नाराज थी, जिसके चलते ही उसने नौकर के जरिए उनकी हत्या करवा दी।

विनीत मिनोचा रतन आर्बिट के भूतल स्थित सी-104 फ्लैट में रहते थे। वह करीब 45 वर्ष से दवा कारोबार से जुड़े थे। शनिवार रात 9:38 बजे उनका बेटा सुब्रत और बहु शालू, छह वर्षीय पोता श्रीजय पार्टी में शामिल होने यशोदा नगर गए थे। कैमरों में दिखा कि रात 10:58 बजे विनीत दुकान बंद करके फ्लैट पहुंचे। बेटा-बहु घर लौटे तो विनीत का सिर बेडरूम में रक्तर्जित मिला था। इसके बाद पुलिस ने हत्या करने वालों की तलाश शुरू की थी जब पुलिस ने घटना की छानबीन शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में दो युवक फ्लैट में जाते और बाहर निकलते भी दिखे थे। जिसकी पहचान पहचान कारोबारी



के घर काम करने वाले पूर्व नौकर विशाल गौतम के रूप में हुई थी। जिसपर पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की थी, और पुलिस की यहां तलाश तब पूरी हुई जब हत्यागोपी नौकर विशाल गौतम और उसके साथी राजकिशोर से पुलिस की मुठभेड़ हो गई और उसने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

घटना के खुलासे के बारे में जानकारी देते हुए एसीपी कल्याणपुर दिलीप सिंह ने बताया कि अब तक की पूछताछ में आरोपित ने जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक उसने कारोबारी की हत्या उसकी बहू के कहने पर रुपये के लालच में की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बहु ससुर से इसलिए नाराज थी क्योंकि उन्होंने उसके मनमाने तरीके से कपड़े खरीदने पहनने और खाने-पीने आदि पर भी प्रतिबंध लगा था।

फिलहाल अब पुलिस घटना में करोड़पति ससुर की हत्या करवाने वाली उसकी बहु से भी पूछताछ कर रही जिससे निकले निष्कर्ष के आधार पर उसे भी जेल भेजा जाएगा। घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

डुमरी में स्मार्ट मीटर से बिल में गड़बड़ी, उपभोक्ताओं की उड़ी नींद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: अपने कारनामों को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाले बिजली विभाग ने अगस्त माह में ऐसा कारनामा किया है, जिससे उपभोक्ताओं की नींद उड़ गई है। मामला यह है कि जुलाई माह में जिन उपभोक्ताओं का बिल माइन्स 192 रुपये आया था, उनका अगस्त माह में अचानक लगभग 9 हजार रुपये का बिल आ गया। प्रखंड में स्मार्ट मीटर लगाने के बाद कई उपभोक्ताओं को सामान्य खपत की तुलना में 10 से 50 गुना तक अधिक बिल मिलने की शिकायतें आ रही हैं। अचानक हजारों रुपये के बिल का मैसेज आने से लोग परेशान हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला परिषद सदस्य सुनीता कुमारी ने विद्युत विभाग, गिरिडीह के महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता को आवेदन देकर उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है। उन्होंने मीटर रीडिंग और बिलिंग प्रक्रिया के सत्यापन और गलत बिलों में तत्काल सुधार की मांग की है, अन्यथा आंदोलन



की चेतावनी दी है। जिस सदस्य ने फोन पर कार्यालयक अभियंता से भी बात कर समस्या से अवगत कराया और प्रभावित उपभोक्ताओं को जल्द राहत देने को कहा। उन्होंने बताया कि कार्यालयक अभियंता ने 2 से 4 दिनों के अंदर जांच कर तकनीकी सुधार का भरोसा दिया है। सुनीता कुमारी ने कहा कि सामान्य खपत करने वाले उपभोक्ताओं को अचानक कई गुना अधिक बिल मिलना गंभीर विषय है। विभाग को स्मार्ट मीटर का कार्यप्रणाली, रीडिंग और बिलिंग प्रक्रिया की तकनीकी जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि त्रुटि हुई है तो बिलों को तत्काल संशोधित कर उपभोक्ताओं को राहत देनी चाहिए।

एवं डीएल बनावर उपरोक्त एजेन्सी से गाड़ी खरीदना दिखाकर उसी के आधार पर भोले भाले लोगों फर्जी फर्म के नामपर विभिन्न प्रकार के लोन दिलाते थे, जिसके बाद बैंकर्स चेक साथ बैंक ड्राफ्ट बनवाकर बैंक से पैसे निकाल उसे मिल बांटकर हड़प लिया जाता था। डीसीपी चौधरी ने बताया कि वर्तमान में अभियुक्त संजय अग्रवाल उर्फ संजीव राज गोयल के खिलाफ कुल 24 मुकदमों और अभियुक्त राहुल के खिलाफ कुल 16 मुकदमों दर्ज हैं। अब पुलिस दोनों के खिलाफ दर्ज अन्य मुकदमों की भी जानकारी कर रही है।

संक्षिप्त

समाचार

साहिबगंज में बढ़ रहा बाढ़ का खतरा! तीन पंचायतों में बिजली आपूर्ति टप, लोगों के घरों में घुसा पानी



साहिबगंज, एजेंसी। गंगा नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। दियारा क्षेत्र में बाढ़ का असर पूरी तरह से दिखने लगा है, जिससे हजारों लोग पलायन करने को मजबूर हैं। गामीण इलाकों में कई घर बाढ़ के पानी में डूब गए। वहीं, दियारा क्षेत्र में बाढ़ के पानी में सड़क डूबने से संपर्क टूटने लगा है। इस बीच बिजली विभाग ने सुरक्षा के गंठबंजर सदर प्रखंड के तीन पंचायतों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। जेई नील गगन ने बताया कि बाढ़ का पानी ट्रांसफार्मर तक पहुंच चुका है, जिसके चलते फिटल पंचायत, लालथानी उजर व लालबघानी दक्षिण पंचायत में बिजली सेवा बंद कर दी गई है। बाढ़ का पानी घटने तक बिजली बाधित रहेगी सोमवार की सुबह 28।32 मीटर तक जलस्तर मापा गया। कैप्टीन जल आयोग के पूर्वनिर्माण के अनुसार मंगलवार की सुबह तक 28।58 मीटर तक पहुंचने की संभावना है। पिछले साल 2025 में गंगा नदी का अधिकतम जलस्तर 28।70 मीटर पहुंचा था। बक्सर से लेकर फरक्का तक जलस्तर खतरों के निशान से ऊपर बढ़ रही है। कुछ स्थानों पर जलस्तर में बढ़ोतरी है तो कहीं पानी घटने का संकेत है।बाढ़ का पानी अब शहरी क्षेत्र में भी घुसने लगा है। सबसे अधिक प्रभावित मरिया कॉलोनी के लोग हुए हैं। बाढ़ में रद्द साल यह कॉलोनी डूब जाता है। बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए रेडन बंदेरा पर लोग पहुंचने लगे हैं। वहीं, पशुपालक भी अपने मोदी की लोकर टाकुता सखर घाट और मालगोदाम पहुंच रहे है।इस बीच, जिला प्रशासन ने कारगिल दियारा समेत बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया और लोगों के बीच सहस्र सामग्री बांटी। वहीं, सदर एसडीओ अमर जॉन आदर ने बताया कि लगातार बचाव अभियान चलाया जा रहा है। बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की जा रही है।

रिम्स में इलाज के दौरान मरीज की मौत के बाद जूनियर डाक्टरों से मारपीट, चिकित्सकों ने किया कार्य बहिष्कार

रांची, एजेंसी। रिम्स के सर्जरी वार्ड सी-2 में इलाजपर एक मरीज की मौत के बाद गुप्तक के परिजनों और जूनियर डॉक्टरों के बीच मारपीट हो गई। घटना के बाद रिम्स के पौनी डॉक्टरों ने वर्तमान स्थिति में मरीज देखने से इनकार कर दिया है।रिम्स जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ। निवेद कुमार ने बताया कि आए दिन डॉक्टरों के साथ मारपीट की घटना हो रही है। हमारी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में हम कैसे मरीजों का इलाज कर पाएंगे। इसी जगह से जूनियर डॉक्टरों ने मरीज देखने से इनकार कर दिया है।।अभी पूरे रिम्स में मरीजों का इलाज सीनियर और रेजिडेंट डॉक्टर कर रहे हैं। डॉ। निवेद ने कहा कि जिस मरीज की मौत इलाज के दौरान हुई, उसकी स्थिति पहले ही फिटिकल थी। हमारी इलाज में कोई कमी या लापरवाही नहीं थी। बावजूद इसके बड़ी संख्या में गुप्तक के परिजन और उनके साथ आए लोगों ने डॉक्टरों के साथ मारपीट की। सबसे चिंता की बात यह रही कि इस दौरान रिम्स प्रबंधन की ओर से तैनात सुरक्षाकर्मियों की ओर से डॉक्टरों को बचाने की कोई पहल नहीं हुई। ऐसे में हम कैसे काम कर पाएंगे, यह बड़ा खाल है।रिम्स सीनियर विभाग के सह विभागाध्यक्ष डॉ। निरीश ने बताया कि गुप्तक पैथियानडॉक्टरों से पीड़ित था। इससे एलाज में कोई कमी नहीं थी। बावजूद इसके हजारों डॉक्टरों के साथ मारपीट की गई है। उन्होंने कहा कि पास के सी बस्ती के सभी लोग थे। उन पर कठोर कार्यवाई होनी चाहिए।

झारखंड का सीडी रेशियो सुधरा, फिर भी विकसित राज्यों से काफी पीछे, बैंकिंग सेक्टर राज्य के विकास की रीढ़

रांची, एजेंसी। किसी भी राज्य के विकास में बैंकिंग सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से गहन राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है, वहीं विकास के रास्ते भी खुलते हैं। इस बैंकिंग कारोबार में सीडी रेशियो का खास महत्व है। सीडी रेशियो यानी क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात वह वित्तीय तथ्यांक है, जो बताता है कि बैंक ने अपने पास जमा कुल राशि का कितना हिस्सा कर्ज के रूप में दिया है। इसका आकलन सीडी रेशियो = (कुल ऋण / कुल जमा राशि) x 100 के सूत्र से किया जाता है। उच्च सीडी रेशियो का अर्थ है कि बैंक ज्यादा लोन दे रहा है। इससे बाजार में कर्ज की मांग का अंदाजा लगाता है। कम सीडी रेशियो का मतलब है कि बैंक कर्ज देने में सावधानी बरत रहा है या बाजार में लोन की मांग कम है। कम अनुपात यह भी संकेत देता है कि बैंक अपने संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर रहे हैं।झारखंड का सीडी रेशियो देश के विकसित राज्यों से हमेशा कम रहा है। बिहार से अलग होकर उत्तरांचल राज्य के रूप में अस्तित्व में आए झारखंड को अपने सीडी रेशियो को लेकर हमेशा जूझना पड़ा है। वही में एक तरफ राज्य की जनता की भारी-भरकम राशि जमा है, वहीं दूसरी ओर इस अनुपात में बैंक लोन देने में पीछे रहे हैं। बैंक सरकारी निगमों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं, वहीं लोग लोन लेने के लिए दर-दर गेटकर रहते हैं।विगत वर्ष में ऋण देने में बैंकों ने रुचि दिखाई है, जिस वजह से सीडी रेशियो बढ़ है। इसके बावजूद देश के विकसित राज्यों से यह काफी नीचे है। राज्य स्तरीय बैंकर्स एसोसिए के आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 से जून 2026 के बीच बैंकों में कुल जमा 2।61 लाख करोड़ से बढ़कर 4।05 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं कुल वितरित ऋण 96,642 करोड़ से बढ़कर 2।23 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस तरह राज्य का सीडी रेशियो 37।04 प्रतिशत से सुधरकर जून 2026 तक 54।97 प्रतिशत पर पहुंच गया है। फिर भी सीडी रेशियो के मामले में झारखंड अन्य राज्यों से काफी पीछे है।

गोल्फ ग्राउंड में आर्यन केल्विन की फैन मीट में हंगामा, पत्थरबाजी के बाद मची अफरातफरी; कुर्सियां टूटी

धनबाद, एजेंसी। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आर्यन केल्विन की ओर से रविवार को गोल्फ ग्राउंड में आयोजित फैन मीट के दौरान अचानक हंगामा हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक पहुंचे थे। इसी दौरान भीड़ में शामिल कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला हंगामे में बदल गया और कुछ युवकों द्वारा पत्थरबाजी किये जाने की बात सामने आयी।

पत्थरबाजी के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी मच गयी और लोग इधर-उधर भागने लगे। हंगामे के दौरान गोल्फ ग्राउंड में लगी कुछ कुर्सियां भी टूट गयीं। बताया जाता है कि फैन मीट में शामिल होने के लिए शाम से ही बड़ी संख्या में युवा गोल्फ ग्राउंड

पहुंचने लगे थे। शाम करीब पांच बजे धनबाद थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ गोल्फ ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर घोषित राजकीय शोक का हवाला देते हुए डीजे और लाउडस्पीकर बंद करा दिया।

इसके बाद कार्यक्रम को सादे तरीके से आयोजित करने की अनुमति दी गयी।इसी दौरान गोल्फ ग्राउंड में बाइक से स्टंट कर रहे एक युवक को थाना प्रभारी ने बाइक समेत पकड़ लिया और उसे धनबाद थाना ले गये। बाद में बॉन्ड भरवाकर युवक को छोड़ दिया गया।कार्यक्रम के दौरान हुए हंगामे के बीच आर्यन केल्विन के बॉडीगार्ड और कुछ युवकों के बीच मारपीट होने की भी चर्चा रही।

सुवर्णरेखा की रेत में सोना तलाशती जिंदगी,

चंद कणों से जलता है गरीब परिवारों का चूल्हा

चांडिल, एजेंसी। सुबह की पहली रोशनी सुवर्णरेखा नदी की धार पर पड़ती है। पानी की सतह पर सूरज की किरणें चमकती हैं। इसी चमक के बीच नदी किनारे कुछ लोग कुदाल, खुरपी और लकड़ी की बनी फाली थाली लेकर पहुंच चुके होते हैं। उनके लिए नदी का किनारा घूमने या प्रकृति का आनंद लेने की जगह नहीं, बल्कि रोजी-रोटी का ठिकाना है। कुदाल से नदी किनारे की मिट्टी और बालू खोदी जाती है। उसे थाली में भरकर पानी में धीरे-धीरे घुमाया जाता है। हल्की मिट्टी और बालू पानी के साथ बह जाती है, जबकि थाली के तल में कुछ भारी कण बचते हैं। नजरें उन्हीं कणों पर टिक जाती हैं। उम्मीद होती है कि उनमें सोने की चमक दिखाई देगी। कई बार घंटों की मेहनत के बाद सिर्फ मुट्ठी भर बारीक कण हाथ लगते हैं। इन्हीं कणों को चांडिल बाजार में बेचकर परिवार

राशन और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करते हैं। ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में सुवर्णरेखा नदी से सोने के कण तलाशने की यह तस्वीर वर्षों पुरानी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, कई परिवार पीढ़ियों से इस काम से जुड़े हैं। एक ग्रामीण बताते हैं कि उनके परिवार को करीब 60 साल से सुवर्णरेखा की रेत में सोना तलाशते हुए हो गये। उनके पिता और उससे पहले परिवार के लोग भी यहीं काम करते थे। आज भी अगली पीढ़ी के सामने यही काम रोजगार का एक विकल्प बना हुआ है। सुबह घर से निकलने के बाद कोशिश रहती है कि शाम तक इतनी कमाई हो जाए कि घर का चूल्हा जल सके। लेकिन यहां मेहनत की कोई गारंटी नहीं है। कभी 200 रुपये मिलते हैं, तो कभी 300 से 400 रुपये। सोना थोड़ा अधिक मिल गया तो 500



रुपये तक कमाई हो जाती है। वहीं कई दिन ऐसे भी गुजरते हैं, जब घंटों नदी की मिट्टी और बालू धोने के बाद उम्मीद से बहुत कम सोना हाथ लगता है। सोना निकालने की प्रक्रिया देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसके लिए घंटों मेहनत करनी पड़ती है। नदी किनारे बैठकर लगातार मिट्टी और बालू धोना, कुदाल चलाना और एक ही प्रक्रिया को बार-बार दोहराना शरीर को थका देता है।

तलाशते हैं। जहां संभावना दिखाई देती है, वहीं मिट्टी और बालू को धोने का काम शुरू हो जाता है। किस जगह सोना मिलेगा, इसकी कोई निश्चितता नहीं होती। कई बार एक जगह कई दिनों तक मेहनत के बाद भी कुछ हासिल नहीं होता, तो कभी अचानक थाली में सोने के बारीक कण चमक उठते हैं। उस पल चेहरे पर आने वाली खुशी शायद उस सोने की कीमत से कहीं बड़ी होती है।इस संघर्ष में सिर्फ पुरुष ही शामिल नहीं हैं। परिवार की महिलाएं भी नदी किनारे मिट्टी और बालू धोने में बराबर हाथ बंटाती हैं। कई महिलाएं घर का काम निपटाने के बाद नदी पहुंचती हैं। सोना निकालने की प्रक्रिया देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसके लिए घंटों मेहनत करनी पड़ती है। नदी किनारे बैठकर लगातार मिट्टी और बालू धोना, कुदाल चलाना और एक ही प्रक्रिया को बार-बार दोहराना शरीर को थका देता है।

गर्मी में रेत तपती है, बरसात में नदी का जलस्तर और तेज धार परेशानी बढ़ा देती है। सर्दियों में ठंडे पानी में हाथ डालकर काम करना भी आसान नहीं होता। इसके बावजूद अगले दिन ये परिवार फिर नदी किनारे पहुंच जाते हैं, क्योंकि उनके पास रोजगार का कोई स्थायी विकल्प नहीं है। सुवर्णरेखा के अलावा बामनी नदी और आसपास के दूसरे नदी क्षेत्रों में भी कुछ परिवार सोने के कण

बच्चों की पढ़ाई, घर का राशन, कपड़े और रोजमर्रा का खर्च इसी अनिश्चित आमदनी से पूरा करना होता है। ऐसे में नदी की रेत में मिलने वाला हर छोटा सोने का कण उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। दिनभर की मेहनत के बाद निकाले गये सोने के कणों को चांडिल बाजार में बेचा जाता है। नदी से निकला सोना सीधे परिवार की जरूरतों में बदल जाता है। इसे बचाकर रखने की स्थिति नहीं होती। जितना मिलता है, उतना ही तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लग जाता है। यही इस कहानी की सबसे बड़ी चिड़बना है। जिस नदी के नाम में 'सोना' है, उसी नदी के किनारे रहने वाले लोगों की आर्थिक तंगी खत्म नहीं हुई। उनके हाथों से निकलने वाला सोना बाजार में कीमत पाता है, लेकिन उसे निकालने वाले परिवारों की जिंदगी में समृद्धि नहीं आती।

रांची में जमीन का सौदा पड़ा भारी, 17 लाख लेने के बाद रजिस्ट्री से मुकरने का आरोप, एफआईआर दर्ज

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र में जमीन बिक्री के नाम पर 17 लाख रुपये की ठगी और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में रामपुर बाजार गढ़के, राजाउल्लाह निवासी अशोक मुंडा ने विनोद कुमार के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

प्राथमिकी के अनुसार, विनोद कुमार ने अपने भाई की तबीयत खराब होने का हवाला देकर अशोक मुंडा से आर्थिक मदद मांगी थी। इसके एवज में उसने मौजा तिरिल में 10 कट्टा जमीन का एकरारनामा किया। अशोक मुंडा ने आरोपी को 15 लाख रुपये नकद और दो लाख रुपये चेक के माध्यम से कुल 17 लाख रुपये दिये। इसके बाद आरोपी ने बाउंड्री वाल निर्माण पर करीब 12 लाख रुपये खर्च कराये। कुछ समय बाद आरोपी ने बताया कि पांच कट्टा जमीन पहले ही बिक चुकी है। इसके बाद शेष पांच कट्टा जमीन आवेदक की मां फूलो देवी के नाम से परमिशन करायी गयी। इसका आदेश 26 जुलाई 2025 को हुआ था।

आवेदक का आरोप है कि परमिशन मिलने



के बाद भी विनोद कुमार जमीन की रजिस्ट्री करने में आनाकानी कर रहा है। आरोप के अनुसार, हाल में उसने दो लाख रुपये नकद, एक लाख रुपये नकद और फोन-पे के माध्यम से 45 हजार रुपये भी लिये, लेकिन अब रजिस्ट्री करने से इनकार कर रहा है।

आवेदक ने पुलिस को बताया है कि आरोपी फोन रिसीव नहीं करता है। संपर्क करने पर जान से मारने की धमकी देने और असामाजिक तत्वों से हमला कराने की बात कहने का भी आरोप लगाया गया है। एकरारनामा के अनुसार जमीन नहीं देने की स्थिति में 17 लाख रुपये के बदले एक करोड़ 70 लाख रुपये लौटाने की बात कही गयी थी, लेकिन आरोपी इस राशि को लौटाने में भी इनकार कर रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहरागोड़ा और मानुषमुड़िया में बन रहा 22 करोड़ से सिल्वर फॉरेस्ट पार्क

बहरागोड़ा, एजेंसी। बहरागोड़ा एवं मानुषमुड़िया क्षेत्र के लोगों को जल्द ही मनोरंजन और घूमने-फिरने के लिए आधुनिक पार्क की सौगात मिलने वाली है। दोनों स्थानों पर लगभग 22 करोड़ों रुपये की लागत से सिल्वर फॉरेस्ट पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। पार्क का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। सब कुछ ठीक रहा तो आगामी चार से पांच माह के भीतर दोनों पार्क आम लोगों के लिए खोल दिये जाने की उम्मीद है। पार्क के तैयार होने के बाद बच्चे, बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को मनोरंजन के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।दोनों पार्कों को सभी आयु वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण लगाए जा रहे हैं।वहीं, बुजुर्गों और अन्य लोगों के लिए भी बैठने, टहलने और समय बिताने की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है।

सिल्वर फॉरेस्ट पार्क के परिसर को आकर्षक बनाने के लिए एक से बढ़कर एक फूलों वाले पौधों के साथ सदाबहार पौधे लगाये गये हैं। पार्क में हरियाली विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।फूलों और पौधों के कारण पार्क के तैयार होने के बाद इसका परिसर काफी आकर्षक नजर आने की उम्मीद है। लोगों



को प्राकृतिक वातावरण में कुछ समय बिताने का अवसर भी मिलेगा। फिलहाल दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। पार्क में निर्माण कार्य पूरी तरह समाप्त होने तथा सभी आवश्यक सुविधाएं तैयार होने के बाद ही लोगों के लिए प्रवेश की अनुमति मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पार्कों के शुरू होने से क्षेत्र में मनोरंजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। खासकर बच्चों के लिए यह पार्क आकर्षण का केंद्र बनेगा। साथ ही परिवार के लोग भी यहां आकर अपना समय बिता सकेंगे। पार्क के शुरू होने से बहरागोड़ा एवं मानुषमुड़िया क्षेत्र में सार्वजनिक मनोरंजन के लिए एक नया स्थान विकसित होगा।

नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से चलैगा भाजपा का सेवा संकल्प अभियान

खूंटी, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान को लेकर शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में अभियान की रूपरेखा और कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी।

मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयंती भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत स्वच्छता अभियान, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर समेत विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किये जायेंगे।

प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म उत्सव के रूप में सेवा भाव के साथ मनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। बताया गया कि सात से नौ सितंबर तक मंडल स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

डीसी ऑफिस के सामने पेट्रोल लेकर पहुंची महिला

जमशेदपुर, एजेंसी।

डीसी कार्यालय के पास रविवार शाम करीब 5 बजे वन वक्त अपरा-तफरी मच गयी, जब एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़कर आत्मदाह का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और पास के एटीएम सुरक्षा गार्ड की सूझबूझ से समय रहते मांचिस व पेट्रोल की बोतल छीन ली गयी। इससे हादसा होने से टल गया। महिला सोनारी की मोनी है।



घटनास्थल के पास तैनात एटीएम सुरक्षा गार्ड ने बताया - शाम के समय महिला हाथ में पेट्रोल लेकर पहुंची और अपने सिर पर उड़ेलने लगी। इसके तुरंत बाद उसने मांचिस जलाने की कोशिश की। इसी दौरान वह मौजूद एक युवक ने दौड़कर महिला को पकड़ा और आवाज लगायी। सुरक्षा गार्ड ने तुरंत आगे बढ़कर महिला के हाथ से पेट्रोल और मांचिस छीन ली।

रोते हुए पीड़िता मोनी कुमारी ने

बताया कि उनके बेटे जय यादव ने 26 जुलाई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। महिला का आरोप है कि उसके बेटे का सिम्मी रजक नाम की लड़की के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था। आरोप के अनुसार लड़की द्वारा किये जा रहे मार्गसिक प्रताड़ना के कारण ही जय ने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के वक्त भी युवक के फोन पर लड़की के कई कॉलस आ रहे थे।

पीड़िता का आरोप है कि वह न्याय की गुहार लगाने लगातार थाने के चक्कर काट रही है, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपी पक्ष से मिली हुई है और लड़की का फोन तक जब्त कर जांच नहीं की गयी।

आर्यन केल्विन के कार्यक्रम में बवाल, जमकर हुई तोड़फोड़ और मारपीट

धनबाद, एजेंसी। गोल्फ ग्राउंड में यूट्यूबर और ब्लॉगर केल्विन आर्यन के पब्लिक मीट कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ। देखते ही देखते भीड़ बेकाबू हो गई और मारपीट के साथ तोड़फोड़ शुरू हो गई। बड़ी संख्या में लोग स्टेज की ओर बढ़ गए और पंडाल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हुए हंगामे से कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना में कई लोगों के घायल होने की भी सूचना है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने हस्तक्षेप कर कार्यक्रम को बंद करा दिया।

दरअसल, केल्विन आर्यन की ओर से गोल्फ ग्राउंड में पब्लिक मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की गई थी। स्टेज के साथ डीजे और साउंड सिस्टम की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में झारखंड के अलग-अलग इलाकों के अलावा दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इसी बीच मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई। इसके बाद प्रशासन और पुलिस की टीम कार्यक्रम स्थल पर



पहुंची और आयोजकों को डीजे तथा तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम को सादगी से आयोजित करने को कहा गया। हालांकि, कार्यक्रम शुरू होने के बाद धीरे-धीरे भीड़ बढ़ती गई। कुछ दूर बाद स्थिति अचानक बिगड़ गई और लोग हंगामा करने लगे।

देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। भीड़ स्टेज तक पहुंच गई और पंडाल में भी तोड़फोड़ की गई।

इससे पूरे कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ जैसे हालात बन गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मौके पर हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी प्रयास के बाद भी जब हालात सामान्य नहीं हुए तो पुलिस ने कार्यक्रम को बंद कर दिया।

घटना को लेकर एसडीएम लोकेश बारगे ने कहा कि पूरे मामले की पुलिस स्तर से जांच-पड़ताल की जा रही है। हमामा और तोड़फोड़ में शामिल लोगों को चिन्हित किया जाएगा। जांच के बाद जो भी लोग

दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम लोकेश बारगे ने बताया कि कार्यक्रम में डीजे और लाउडस्पीकर बजाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस की टीम शाम के समय कार्यक्रम स्थल पर पहुंची और डीजे व लाउडस्पीकर को बंद करा दिया था। इसके बावजूद रात में कार्यक्रम के दौरान मारपीट और हंगामे की घटना सामने आई। मामले की जांच पुलिस स्तर से की जा रही है। घटना में शामिल लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। राजकीय शोक के दौरान कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने जब सादगी बरतने का निर्देश दिया था, तो क्या आयोजकों ने उसके अनुरूप पर्याप्त तैयारी की थी? इतनी बड़ी भीड़ जुटने की संभावना के बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए? भीड़ के अनुपात में पुलिस बल की तैनाती पर्याप्त थी या नहीं? और सबसे बड़ा सवाल- अपरा प्रशासन को पहले से भारी भीड़ की आशंका थी, तो सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस तैयारी क्यों नहीं की गई?

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक हैं। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंडम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर दूंद रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतिवां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चढ़ने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करना तो कीचड़ या गड़े में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन मेरे बाहर और भीतर की यात्रा में रहना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।आज की आपाधापी भरी जिंदगी में तनाव, मानसिक अवसाद और संबंधों में बिछराव का सबसे बड़ा कारण जीवन में संतुलन का अभाव है। आधुनिक जीवनशैली में व्यक्ति या तो धन-संपद और भौतिक साधनों को जुटाने की अति में उलझ हुआ है, या फिर जिम्मेदारियों से मुंह मोड़कर पूरी तरह विश्रव होने की चेष्टा करता है। जीवन के इन दोनों चरम छोरों (अतिवो) के बीच फंसा मानव मन लगातार अस्थिर रहता है। हाल ही में हुए कई मनोवैज्ञानिक और सामाजिक शोध भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अतिशय महत्वाकांक्षाएं और असंतुलित दिनचर्या ने केवल शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता (अंतर्दृष्टि) को भी प्रभावित करती हैं। यही कारण है कि भारतीय दर्शन और अध्यात्म में ‘संयम’ और ‘संतुलन’ को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। जीवन को कई कठोर तपस्या या केवल उपभोग का केंद्र नहीं है, बल्कि वह एक सधा हुआ प्रवाह है। जब हम अपनी बाहरी जिम्मेदारियों और आंतरिक शांति के बीच ठीक वैसा ही तालमेल बिछाते हैं जैसा एक कुशल संगीतकार वीणा के तारों में बिछाता है—न बहुत ढीला और न बहुत कसा हुआ—तब जीवन में स्वतः ही संगीत पैदा होने लगता है।

आइआइटी संस्थानों में त्यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरु नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी है। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलुरु में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकुशी की है।

आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं हैं आईआईआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमारी की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फरवरी मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में संस्थान में यह आठवीं आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरुआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वराम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुःखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं। विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग

सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ, मानसिक स्वास्थ्य की पर्याप्त देखभाल का अभाव, आत्म-विराग और कभी-कभी

संबंधित: Purnendu Pussipeshi

संबंधित: Purnendu Pussipeshi

मासूम बचपन पर मंडराता अपहरण का खतरा

कातिलाल मांडोत

- बच्चों की सुरक्षा के लिए अब कानून से लेकर पुलिस व्यवस्था तक में बड़े बदलाव की जरूरत

बच्चा जब घर के आंगन में खेलता है तो माता पिता को लगता है कि दुनिया की सारी खुशियां उनके सामने हैं। उसकी हंसी घर को जीवंत बना देती है और उसकी छोटी छोटी जरूरतें परिवार के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती हैं। लेकिन यही बच्चा अचानक घर से गायब हो जाए तो उस परिवार की दुनिया जैसे थम जाती है। उसके लौटने की उम्मीद हर पल बनी रहती है और हर गुजरते घंटे के साथ चिंता गहरी होती जाती है। बच्चों के अपहरण की घटनाएं इसलिए केवल अपराध के आंकड़े नहीं हैं बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों की ऐसी पीड़ा छिपी होती है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। देश में बच्चों के बढ़ते अपहरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनिहत याचिका ने एक बेहद गंभीर विषय को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल केवल यह नहीं है कि कितने बच्चे लापता होते हैं बल्कि बड़ा सवाल यह है कि उनके गायब होने के बाद व्यवस्था कितनी तेजी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें खोजने का प्रयास करती है। यदि किसी बच्चे के लापता होने की सूचना मिलने के बाद शुरुआती समय में ही प्रभावी कार्रवाई हो जाए तो उसके सुरक्षित मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसके विपरीत जांच में देरी अपराधियों को अपनी गतिविधियों को छिपाने का अवसर दे सकती है। बच्चों के अपहरण का स्वरूप भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई मामलों में यह केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क की भूमिका सामने आती है। बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले गिरोह राज्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर

निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता।

मानव तस्करी इस समस्या का सबसे भयावह पहलू है। मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर करके अलग अलग प्रकार के शोषण में धकेला जाता समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। कुछ बच्चे मजदूरी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं तो कुछ को भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसे गिरोह बच्चों की मजबूरी को अपने अवैध कारोबार का साधन बना लेते हैं। बच्चों के हाथों में किताब और खिलौने होने चाहिए लेकिन अपराधी उन्हें अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे बड़ा सामाजिक अन्याय और क्या हो सकता है। बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी इसी समस्या की एक कड़ी हैं।

सड़क पर किसी बच्चे को भीख मांगते देखकर अक्सर लोग कुछ पैसे देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि उस बच्चे की स्थिति के पीछे कोई संगठित शोषण तो नहीं है। हर बच्चा अपनी इच्छा से सड़क पर नहीं आता। कई बच्चे परिस्थितियों और अपराधी नेटवर्क के कारण ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर होते हैं। इसलिए बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई को केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं बल्कि संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के रूप में भी देखा जाना चाहिए। बच्चों के अपहरण के मामलों में पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलने के बाद तत्काल प्राथमिकी दर्ज होना और जांच शुरू होना जरूरी है। बच्चे की तत्बीर और पहचान संबंधी जानकारी जल्द से जल्द संबंधित पुलिस इकाइयों तक पहुंचनी चाहिए। रेलवे स्टेशन बस अड्डों और अन्य परिवहन केंद्रों पर भी सूचना पहुंचाने में देरी नहीं होनी चाहिए। आधुनिक तकनीक ने पुलिस के सामने कई नए साधन उपलब्ध कराए हैं। कैमरों की निगरानी से स्थान तक पहुंचाने वाले गिरोह राज्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर

भी सामान्य अपराधों से अलग है। बच्चे की बरामदगी के साथ यह पता लगाना भी जरूरी है कि उसे किसने उठाया और किस उद्देश्य से ले जाया गया। यदि केवल बच्चे को बरामद करके मामला समाप्त मान लिया गया तो उसके पीछे सक्रिय पूरा नेटवर्क बच सकता है। अपराध की जड़ तक पहुंचना जरूरी है ताकि उसी गिरोह के दूसरे बच्चे भी सुरक्षित किए जा सकें। लंबी कानूनी प्रक्रिया भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। बच्चों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवार पहले ही मानसिक और सामाजिक पीड़ा से गुजरता है। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो न्याय की प्रतीक्षा स्वयं एक नई पीड़ा बन जाती है। इसलिए बाल अपहरण और मानव तस्करी के गंभीर मामलों की सुनवाई के लिए विशेष व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। तेज सुनवाई का अर्थ जल्दबाजी में न्याय करना नहीं बल्कि ऐसे मामलों को अनावश्यक देरी से बचना होगा चाहिए। कठोर कानून की मांग के साथ यह भी जरूरी है कि कानून का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। अपराधियों को सजा का भय तभी होगा जब जांच मजबूत हो और मुकदमे का परिणाम समय पर सामने आए। केवल कानून में कठोर प्रावधान जोड़ देने से समस्या खत्म नहीं होगी। पुलिस की जवाबदेही बढ़ानी होगी। जांच की गुणवत्ता सुधारनी होगी और अलग अलग राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। मानव तस्करी के मामलों में जांच राज्यों का नाम अधिक सामने आता है वहां विशेष निगरानी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों और ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां से बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाना आसान होता है। बस परिवहन और रेलवे नेटवर्क के जरिए बच्चों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। परिवारों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को सुरक्षा के सामान्य नियमों के बारे में समझाना चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि किसी अनजान

व्यक्ति के साथ जाना या उसके बहकावे में आना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। हालांकि पूरी जिम्मेदारी परिवारों पर डालना उचित नहीं होगा। सार्वजनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चे सुरक्षित माहौल में रह सकें और किसी घटना के बाद राज्य की मशीनरी तुरंत सक्रिय हो। सबसे बड़ा सवाल हमारी संवेदनशीलता के लिए। लापता बच्चे का पोस्टर देखकर केवल आगे बढ़ जाना पर्याप्त नहीं है। उसके पीछे किसी मां की चिंता और किसी पिता की बेचैनी हो सकती है। जिस परिवार का बच्चा लापता होता है उसके लिए हर दरवाजे पर दस्तक एक उम्मीद होती है। इसलिए बच्चों के अपहरण को सामान्य अपराध मानकर छोड़ देना समाज के लिए खतरनाक होगा। आज आवश्यकता ऐसे कानून और ऐसी व्यवस्था की है जिसमें बच्चे का अपहरण करने वाला व्यक्ति ही नहीं बल्कि उसके पीछे काम करने वाला पूरा नेटवर्क कानून के शिकंजे में आए। संगठित गिरोहों की आर्थिक और आसपासिक संरचना को तोड़ना होगा। बच्चों का इस्तेमाल भीख मांगने मजदूरी या किसी अन्य शोषण के लिए करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी होगी। बच्चे किसी भी देश को सबसे मूल्यवान धरोहर होते हैं। उनका बचपन सुरक्षित रहेगा तभी देश का भविष्य सुरक्षित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट में उठी यह मांग सरकार और समाज दोनों के लिए चेतावनी है कि बच्चों की सुरक्षा को अब केवल पुलिस की जिम्मेदारी मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। कानून कठोर हो जांच तेज हो न्याय समय पर मिले और अपराधियों के नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार हो तभी उन परिवारों को भरोसा मिल सकेगा जिनके लिए उनका बच्चा पूरी दुनिया है। मासूमों की सुरक्षा में थोड़ी सी भी लापरवाही किसी परिवार के जीवन को हमेशा के लिए बदल सकती है।

(L 103 जलवन्त टाउनशिप पूर्णा बाँच्चे मार्केट रोड, नियर नन्दारव्य हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत की नई वैश्विक आर्थिक छलांग

एडवोकेट किशन समुखदास भावनानी

- आर्थिक महाशक्ति बनने पूंजी, अंतरिक्ष, विदेशी मुद्रा और ब्रिक्स के बीच विजय 2047 की निर्णायक राह -समग्र व्यापक विश्लेषण

भारत का नया ग्लोबल पावर गेम: पैसा,बाजार, अंतरिक्ष और ब्रिक्स -2047 तक दुनियाँ की आर्थिक धुरी बनने की तैयारी

अब भारत सिर्फ बाजार नहीं,वैश्विक शक्ति का केंद्र :शेयर बाजार,निवेश, अंतरिक्ष और ब्रिक्स से 2047 की निर्णायक छलांग वैश्विक स्तरपर आज की दुनियाँ में किसी देश की आर्थिक ताकत का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद शेयर बाजार के सूचकांकों या विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं किया जाता।वास्तविक शक्ति उस देश की इस क्षमता में पैदा होती है कि वह वैश्विक पूंजी कोकितना आकर्षित कर सकता है, अपनी आपूर्तिशृंखलाओं को कितना सुरक्षित रख सकता है,तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में कितनी आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है तथा बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी आवाज को कितना प्रभावशाली बना सकता है।हाई ट्रुिष्टि से वर्ष 2026 भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिशाई देता है। मैं एडवोकेट किशन समुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताया चाहूंगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा, जी20 में उनकी सक्रिय भूमिका, ईओएस-05 जैसे अत्याधुनिक पृथ्वी

अवलोकन उपग्रह की सफलता,विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और आगामी 12-13 सितंबर 2026 नईदिल्लीब्रिक्स शिखर सम्मेलन,ये सभी घटनाएं अलग-अलग दिखाई देती हैं,लेकिन वास्तव में इनके पीछे एक साझा सोच है: भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल भागीदार नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति बनने की दिशा में सटीकता से आगे बढ़ रहा है। साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया।एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित जी 20 फर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और

तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है।इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जब वित्त मंत्री विश्व के बड़े निवेशकों के सामने भारत की आर्थिक क्षमता, निवेश अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं को प्रस्तुत करती हैं, तो इसका महत्व केवल कूटनीतिक नहीं होता। विदेशी संस्थानत निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले आर्थिक वृद्धि,युद्धास्थिरता विदेशी मुद्रा भंडार राजकोषीय स्थिति,नीतिगत स्थिरता और कॉर्पोरेट संभावनाओं को देखते हैं।हायिद इन मोर्चों पर विश्वास मजबूत होता है तो भारतीय इक्विटी बाजार में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकता है।हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि शेयर बाजार लगातार ऊपर ही जाएगा। वैश्विक ब्याज दरें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें, युद्ध और व्यापार नीतियां भारतीय बाजार में अस्थिरता फैला कर सकती हैं। इसलिए भारत की कहानी मजबूत होने के बावजूद निवेशकों के लिए जोखिम प्रबंधन इतनी ही महत्वपूर्ण रहेगा।

साथियों, इसी आर्थिक कहानी को भारत के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने और मजबूती दी है।28 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 114.75 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां लगभग 600.67 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार लगभग 116.41 अरब डॉलर रहा। यह उपलब्धि भारतीय अर्थव्यवस्था

के लिए महज एक आंकड़ा नहीं है। विशाल विदेशी मुद्रा भंडार वैश्विक इटकों के सामने सुरक्षा- कवच की तरह काम करता है।यदि डॉलर मजबूत होता है, पूंजी बाजारों में अचानक निकासी होती है या तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार में व्यवस्थित हस्तक्षेप और रुपये में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने की क्षमता देता है। यही कारण है कि रिकॉर्ड रिजर्व भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के मन में भारत की बाहरी वित्तीय स्थिरता को लेकर विश्वास बढ़ा सकता है।रुपये के संदर्भ में भी इसका महत्व अत्यंत बढ़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होने से बाजार में यह विश्वास पैदा होता है कि भारत के पास वैश्विक भूगतान दायित्वों और बाहरी इटकों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी आवश्यक है,उच्च विदेशी मुद्रा भंडार अपने आप में रुपये को स्थायी रूप से मजबूत नहीं बनाता।कच्चे तेल का आयात, अमेरिकी डॉलर की वैश्विक मांग,ब्याज दरों का अंतर और पूंजी प्रवाह जैसे अनेक कारक रुपये की दिशा तय करते हैं। इसलिए रिकॉर्ड रिजर्व को भारत की वित्तीय ताकत का संकेत माना जाना चाहिए,न कि शेयर बाजार या मुद्रा में सटीकता से निश्चित तेजी की गारंटी। साथियों, अब इस आर्थिक तस्वीर में अंतरिक्ष शक्ति को जोड़ना आवश्यक है। ईओएस -05 मिशन भारत की रणनीतिक और तकनीकी क्षमता के विस्तार का संकेत

देता है। इसरो के अनुसार जीएसएलवी -एफ 17 ने ईओएस -05 को सब -जियोसिंक्रोनास ट्रांसफर ऑरबिट में स्थापित किया और ईओएस-05 भारत का पहला इम्रिजिा सटेलाइट है जिसे जियोसिंक्रोनास ऑरबिट से पृथ्वी अवलोकन के लिए डिजाइन किया गया

लगभग 36,000 किलोमीटर की पृथ्वी अवलोकन की क्षमता का महत्व केवल सैन्य निगरानी तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग मौसम, आपदा प्रबंधन,कृषि,पर्यावरण निगरानी और विकास राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं में किया जा सकता है। इस तरह अंतरिक्ष तकनीक अब भारत की अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा बन रही है। साथियों यहां से अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए एक नया क्षेत्र खुलता है।यदि भारत पूर्वी अवलोकन,संचार,नेविगेशन, लॉजिस्टि सेवाओं, सैटेलाइट डेटा, अंतरिक्ष-आधारित सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है तो इससे निजी अंतरिक्ष कंपनियों, रक्षा- तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर,सेंसर,सांफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनियों के लिए नए बाजार बन सकते हैं। परंपाग स्वरूप भारतीय शेयर बाजार में केवल पारंपरिक सेमीकंडक्टर,सेंसर,सांफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनियों के लिए नए बाजार बन सकते हैं। परंपाग स्वरूप भारतीय शेयर बाजार में केवल पारंपरिक सेमीकंडक्टर,सेंसर,सांफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनियों ही नहीं, बल्कि स्पेस-टेक और डीप-टेक से जुड़ी कंपनियां भी भविष्य की निवेश कहानी का हिस्सा बन सकती हैं लेकिन ईओएस-05 की रणनीतिक अहमियत इससे भी आगे जाती है।

आज दुनिया में युद्ध की प्रकृति बदल रही है। भविष्य के संघर्षों में जमीन, समुद्र और हवा के साथ अंतरिक्ष से साहब्र क्षेत्र की भूमिका लगातार बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष क्षमता, उपग्रह नेटवर्क, संचार, नेविगेशन और पृथ्वी निगरानी को लेकर प्रतिस्पर्धा इसी बड़े बदलाव का संकेत है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अंतरिक्ष को केवल वैज्ञानिक उपलब्धि न मानकर आर्थिक,रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा अवसंरचना के रूप में विकसित करे। यदि भारत ऐसा करता है तो अंतरिक्ष क्षेत्र विजय 2047 की तकनीकी शक्ति का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकता है। साथियों, इसी बीच 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में होने वाला 18वां ब्रिक्स समिष्ट भारत की वैश्विक आर्थिक कूटनीति के लिए एक और बड़ा अवसर है। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसका थीम 'बिल्डिंग फॉर रेसिलिंस, इन्वोवेशन, कोआपेरेशन एंड सस्टेयिबिलिटी' रखा गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार वर्षभर में 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इसका अर्थ है कि ब्रिक्स केवल नेताओं की एक शिखर बैठक नहीं, बल्कि व्यापार, वित्त, निवेश, तकनीक और विकास सहयोग का विस्तृत मंच बन रहा है।

(लेखक: ऋर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) हैं)

अंतर्विरोधों से घिरा वचन भागवत : विदेशी मंच पर दिए बयान पर भारत में क्यों छिड़ी बहस?

तनवीर जाफरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सरसंघचालक मोहन भागवत ने पिछले दिनों अमेरिका,कनाडा व ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा की। इस त्रिदेशीय यात्रा में जहाँ एक तरफ बड़ी संख्या में स्थानीय हिंदू और प्रवासी भारतीय संगठनों द्वारा उनका स्वागत किया गया वहीं दूसरी तरफ कई संगठनों द्वारा उनका कड़ा विरोध भी किया गया। विरोध करने वाले समूहों व प्रदर्शनकारी संगठनों का आरोप है कि आरएसएस एक अति-दक्षिणपंथी और बहुसंस्कृतवादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला संठन है, जो भारत के धर्मानपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कई सविलो सोसाइटी समूहों ने संघ के दांचे को तात्पराशी और सैन्यवादी ऋार देते हुए इसके वैश्विक

समूहों और कुछ विदेशी राजनेताओं द्वारा किया गया। हिंदूच फ़ॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल साउथ एशिया सॉलिडैरिटी ग्रुप और कई अन्य मानवाधिकार संगठनों ने इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त न्यूयॉर्क के मेयर जोलेवन ममदानी, अमेरिकी सांसद रशीदा तालेव व जिम मेकगर्वन, और ब्रिटिश लेबर पार्टी की सांसद नादिया क्रिटोम ने सार्वजनिक रूप से इस यात्रा का विरोध व आलोचना की। इस विरोध के बीच संघ समर्थकों का कहना है कि मोहन भागवत की यात्रा का उद्देश्य वैश्विक कल्याण, सामाजिक सद्भाव और वसुधैव कुटुम्बकम को संदेशों का प्रसार करना है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में बीबीसी द्वारा आयोजित फ़्रेथ लीडस कॉन्फ़्रेंस के दौरान यह कहा कि हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को

की सोच रखना पूरी तरह से हिंदुत्व के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हिंदू होने का मतलब सभी धार्मिक रास्तों को एक ही लक्ष्य की ओर जाने वाला मानना और हर ईसान की गरिमा को स्वीकार करना है। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम और One world-One Humanity का नारा देते हुए कहा कि विविधता में हमारी साझा पहचान को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। परन्तु भारत में मोहन भागवत के इस बयान के बाद इन मुस्लिम बहुसंघ के प्रति अधिक है जिन्हें वे पवित्र मानते हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के कई हिस्सों में मुस्लिम आबादी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों में शामिल रहती है। ऐसा ही कड़ा संदेश भारत में अपने सवाल उठाया कि आरएसएस प्रमुख ऐसा ही कड़ा संदेश भारत में अपने कार्यकर्ताओं को क्यों नहीं देते। एक सवाल यह भी है कि आखिर भागवत को अमेरिका में जाकर यह बात कहनी ही क्यों पड़ी ? दरअसल आलोचकों

जो और किसी के द्वारा नहीं बल्कि स्वयं आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर (गुरुजी) द्वारा लिखित किताब बंच ऑफ थॉट्स की हमेशा तीखी आलोचना होती रही है। सवाल यह है कि इन साहित्यों व संस्कारों के मध्य पला बढ़ा कोई भी स्वयं सेवक और गोलवलकर की विचारधारा का अनुसरण करने वाले लोग उनके इस साम्प्रदायिकतावादी नफरती विचारों से स्वयं को दूर कैसे कर सकते हैं ? दूसरा यह कि आज प्रधानमंत्री से लेकर देश के अनेक भाजपाई मंत्रियों मुख्यमंत्रियों बड़े नेताओं व चिम्मेदार लोगों द्वारा देश की संसद से लेकर जसभारतों तक में सर्रे आम अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा है। उन्हें कमकाया जाता है,समुदाय विशेष के लोगों की माँब लिचिंग की जाती है,उन्के घर मरदरसे,चर्चामॉस्जिद आदि गिराए जाते हैं या उनमें तोड़ फोड़ की जाती है। उन्होंने डीहाडों से कभी मौलवियों कभी पादरियों तो कभी

आज भी पूरी तरह खतम नहीं हुई है। गोलवलकर के इन विचारों की वजह से ही बंच ऑफ थॉट्स की हमेशा तीखी आलोचना होती रही है। सवाल यह है कि इन साहित्यों व संस्कारों के मध्य पला बढ़ा कोई भी स्वयं सेवक और गोलवलकर की विचारधारा का अनुसरण करने वाले लोग उनके इस साम्प्रदायिकतावादी नफरती विचारों से स्वयं को दूर कैसे कर सकते हैं ? दूसरा यह कि आज प्रधानमंत्री से लेकर देश के अनेक भाजपाई मंत्रियों मुख्यमंत्रियों बड़े नेताओं व चिम्मेदार लोगों द्वारा देश की संसद से लेकर जसभारतों तक में सर्रे आम अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा है। उन्हें कमकाया जाता है,समुदाय विशेष के लोगों की माँब लिचिंग की जाती है,उन्के घर मरदरसे,चर्चामॉस्जिद आदि गिराए जाते हैं या उनमें तोड़ फोड़ की जाती है। उन्होंने डीहाडों से कभी मौलवियों कभी पादरियों तो कभी

हमारे धर्मानपेक्ष देश की बदनामी होती है। सवाल यह है कि इस तरह के कृत्य में शामिल लोगों के लिये क्या आज तक संघ ने कोई सीधा कड़ा सन्देश दिया ? किसी को ऐसी गैर जिम्मेदाराना बातों के लिये भाजपा या संघ से बाहर निकाला गया ? प्रधानमंत्री स्वयं शमशान व कब्रिस्तान में अंतर का सन्देश देते हैं। लोकसभा में एक भाजपाई सांसद एक मुस्लिम सांसद को धर्म सूचक फ़ालिया देता है। विश्व हिन्दू परिषद की फ़ायरक्रॉड नेता सच्ची प्राची यह कहती हैं कि जिस दिन भारत में मस्जिदें और मरदरसे बंद हो जाएंगे, उस दिन लव जिहाद खत्म हो जाएगा और पूरी दुनिया में शांति आ जाएगी। उन्होंने हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान करते हुए नारा दिया, हिंदू घट्टे तो करेंगे, जिसमें उन्होंने मुस्लिम आबादी के बढ़ने को हिंदुओं के अस्तित्व के लिए खतरा बताया।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



मिलने पर मित्र का आदर करो, पीठ पीछे प्रशंसा करो और आदरयुक्तता के समय उसकी मदद करो। - जातक कथा सभी गलत कार्य मन से उपजते हैं। अगर मन परिवर्तित हो जाये तो क्या गलत कार्य टहर सकता है। - महात्मा बुद्ध



धूम संवत 2083, एरषे 1948, माह: भाद्रपद मास महीने के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि: 8 सितंबर को दोपहर 02:43 बजे तक। दोपहर 11:54 बजे से 12:44 बजे तक (किसी भी धूम कार्य के लिए श्रेष्ठ):। नक्षत्र: पृथ नक्षत्र राशम 04:39 बजे तक रहेग, इसके बाद अश्लेषा नक्षत्र प्रारंभ होगा।

आज जन्म लिए वालक का फल....

बच्चा पूरे दिन कर्क राशि (स्वामी: र्देमन) में रहेगा। राशम 04:39 बजे तक पृथ नक्षत्र (स्वामी: शनि) रहेगा। राशम 04:39 बजे के बाद जन्म होने पर अश्लेषा नक्षत्र (स्वामी: बुध) रहेगा। मंगलवार का जन्म और मंगल का प्रभाव बच्चे को साहसी, उर्ज्जवान और अपनी बात पर टिके रहने वाला बनाएगा।

मेघ राशि: ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे। तुला राशि: ऑफिस के कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। वृष राशि: खर्चों पर नियंत्रण रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बचा जाएंगे। मिथुन राशि: आज किसी उर्जनवी पर बहुत ही सौव-समझदार भरोसा करें। कर्क राशि: आज आपके बढ़ते खर्च परेशानी का कारण बन सकते हैं। सिंह राशि: आज आप किसी मंगलिक कार्यक्रम में बहु-बढ़कर हिस्सा लेंगे। कौमि राशि: अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। मकर राशि: किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ते को शिंशर करेंगे। राशि राशि: कर्मना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। मीन राशि:आपको आज नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। आय के नये-नये रास्ते मिलेंगे।

समाचार

आइकिल ट्रैक

ष्टिबाधित लोगों को आवाजाही में मदद मिल सकेगी। सड़क किनारे राजाजी स्ट्रीट लाइट, मामले और पथों की कतार के अलावा दीवारों पर बिहार की कला एवं संस्कृति से जुड़े चित्र लगाने की परिकल्पना है। इससे एयरपोर्ट मार्ग को शहर का आकर्षक प्रवेश मार्ग के रूप में प्रस्तुत किया जा सकेगा।

फ्लाईओवर के नीचे बनेगा परितः सर्वजनिक क्षेत्र: मीठापुर के कवर्गहिया के बीच फ्लाईओवर के नीचे के क्षेत्र को भी विकसित करने का प्रस्ताव है। फ्लाईओवर के पिछरों के बीच पथों से सजे गैडसकेप, पैदल पथ, बैठने के सीढ़ियाँ और आकर्षक रोशनी लगाने का प्रस्ताव है। सड़क किनारे पैदल यात्रियों के लिए टेक्स्टाइल पथ और अलग-अलग प्रकार के कूड़ेदान भी प्रस्तुत हैं।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसमेंजिला वमहानगर अध्यक्ष के लिए घमासान

गोरखपुर , एजेंसी। कांग्रेस में नए जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष को लेकर हलचल तेज हो गई है। दोनों पदों के लिए कुल करीब 15 आवेदन भरे गए हैं। इनमें जिलाध्यक्ष के लिए नौ और महानगर अध्यक्ष पद के लिए छह लोगों ने दावेदारी की है। पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने सभी आवेदकों के बारे में जानकारी भी मंगाई है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही पार्टी की ओर से नाम तय कर लिए जाएंगे। पार्टी की ओर से नेताओं से आवेदन मांगे गए थे। पूर्व जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के अलावा अरुण अग्रहरी, राकेश यादव, अभिषेक गांधी, मोनिका पांडेय, उमैद पांडेय, जितेंद्र पांडेय, रवि प्रताप निषाद, प्रेम लता चतुर्वेदी ने भी दावेदारी की है। इसके अलावा महानगर अध्यक्ष के लिए अनवर हुसैन, सुमित पांडेय, अनुराग पांडेय, तौकीर आलम,जितेंद्र विश्वकर्मा का नाम सामने आया है। जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने बताया कि इस समय सभी की निगाहें सूची पर टिकी हैं। सोमवार या मंगलवार को सूची जारी हो सकती है। इसके बाद पार्टी के निर्देश के अनुसार क्षेत्र में संगठन का कार्य आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विगत दिनों यूपी कांग्रेस के सह प्रभारी व सांसद श्याम कुमार दौलत बरवे ने विभिन्न ब्लकों का दौरा किया था। इसी दौरान कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद के लिए आवेदन दिए थे। अब शीर्ष नेतृत्व के निर्णय का इंतजार है।

वर्षों से पदोन्नति नहीं वेतन पर भी संकट

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ (पीआरकेएस) के महामंत्री विनोद कुमार राय ने पूर्वोत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की उदासीनता और रेलवे बोर्ड के नियमों की अनदेखी से कर्मचारियों को पदोन्नति, परीक्षा और चिकित्सीय मामलों में नुकसान उठाना पड़ रहा है। रेलवे बोर्ड ने विभिन्न कोटियों में पदोन्नति, विभागीय परीक्षा और पैन्ल बनाने के स्पष्ट नियम तय किए हैं। दूसरे रेल जोनों में इन नियमों के तहत कर्मचारियों को अवसर मिल रहे हैं लेकिन पूर्वोत्तर रेलवे में पर्याप्त रिक्तियां और योग्य कर्मचारी होने के बावजूद कई वर्षों से पदोन्नति के मामले लंबित हैं। उन्होंने 25 और 50 प्रतिशत एलटीसीई कोटे की परीक्षाओं के बाद अभ्यर्थियों के प्राप्तांक सार्वजनिक नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए। इससे कर्मचारियों में प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर असंतोष है। सबसे गंभीरा मामला बीमार कर्मचारियों का है। गंभीर बीमारी के कारण मूल पद पर काम करने में असमर्थ कर्मचारियों को महीनों और कई बार एक वर्ष से अधिक समय तक वैकल्पिक पद पर समायोजित नहीं किया जा रहा है। पीआरकेएस ने लंबित पदोन्नतियां तत्काल पूरी करने, परीक्षा के अंक सार्वजनिक करने और बीमार कर्मचारियों का शीघ्र समायोजन करने की मांग की है।

गोरखपुर के अनिमेष निषाद बने आर्मी लेफ्टिनेंट

गोरखपुर , एजेंसी। एम्स के निकट खोछ टोला निवासी अनिमेष निषाद ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर शहर और परिवार का मान बढ़ाया है। बिहार के गया स्थित ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें शिमला में पहली नियुक्ति मिली है। अनिमेष के पिता रमेश चंद निषाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के नियंता कार्यालय में प्रधान सहायक के पद पर कार्यरत हैं जबकि माता हेमलता निषाद गृहिणी हैं। बेटे की इस बड़ी उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। अनिमेष ने अपनी शुरुआती पढ़ाई गोरखपुर के निजी इंटर कॉलेज से की। इसके बाद उन्होंने लखनऊ से बीटेक की डिग्री हासिल की। वर्ष 2025 में घोषित शॉर्ट सर्विस कमीशन (टेक्निकल) परीक्षा के परिणाम में उन्होंने ऑल इंडिया 31वाँ रैंक हासिल कर यह मुकाम पाया था। प्रशिक्षण पूरा कर घर पहुंचने पर शहरवासियों और परिचितों ने जगह-जगह माल्पायण कर और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

जरूरतमंदों की मददगार आराध्या को उदयपुर में मिला सम्मान

कानपुर, एजेंसी। महज छह साल की उम्र में कोरोना संक्रमण से पिता को खोने वाली आराध्या त्रिपाठी जरूरतमंदों का सहारा बनी हैं। स्ट्रेप्टाम पर उनकी मदद के वीडियो देखने के बाद नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने उन्हें दो सितंबर को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया। सोशल क्रिएटर आराध्या वहां मुख्य अतिथि के रूप में भी आमंत्रित की गई थीं।

पर्यायवाची, संधि विच्छेद, वर्तनी के सवालों ने उलझाया

कानपुर, एजेंसी। शहर के 28 केंद्रों पर रविवार को उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा अध्यापक सेवा परीक्षा हुई। कुल 11,831 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7166 उपस्थित रहे। परीक्षा में इंजीनियरिंग से संबंधित सवाल आसान आए, लेकिन हिंदी में पर्यायवाची, संधि विच्छेद, वर्तनी के प्रश्नों ने अभ्यर्थियों को उलझाए रखा। ईश्वर, ब्रह्मा और बकरा के पर्यायवाची का उतर जानने में परीक्षार्थियों के पसीने छूट गए। सामान्य ज्ञान के तीन-चार प्रश्न कठिन थे।

पहली पाली की परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के चेहरे में राहत दिखी। बताया कि रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र न बहुत कठिन रहा और न ही आसान। सवालों का स्तर मध्यम रहा। सामान्य हिंदी के तहत संधि, समास, उपसर्ग-प्रत्यय, वर्तनी, कारक, पर्यायवाची और विलोम शब्दों से जुड़े

सवाल पूछे गए। अनेकार्थी शब्द, मुहावरे और लोकोत्तियों पर भी प्रश्न रहे। विस्मरण का संधि-विच्छेद, कनिष्ठ की शुद्ध वर्तनी और वेणु का अर्थ पृच्छर अभ्यर्थियों की भाषा संबंधी पकड़ परखी गई। मुझे यहां जाना पड़ता है, वाक्य में पड़ता किस प्रकार की क्रिया है, जैसे व्याकरण के सवाल पूछे गए।अभ्यर्थियों को सघन तलाशी के बाद केंद्र में प्रवेश करने दिया गया। राजकीय इंटर कॉलेज भौती प्रतापपुर में सबसे कम उपस्थिति रही। यहां 260 में केवल 117 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। जबकि 143 अनुपस्थित रहे। वहीं राजकीय पॉलिटेक्निक विकास नगर में 480 में से 198 अभ्यर्थी उपस्थित और 282 गैरहाजिर रहे। माल रोड स्थित एलपी इंटर कॉलेज में छात्रों की संख्या को लेकर कंट्रोल रूम से पूछाछ आने पर वहां पुलिस कर्मियों और स्टाफ में कुछ ढेर में खलबली मच गई।

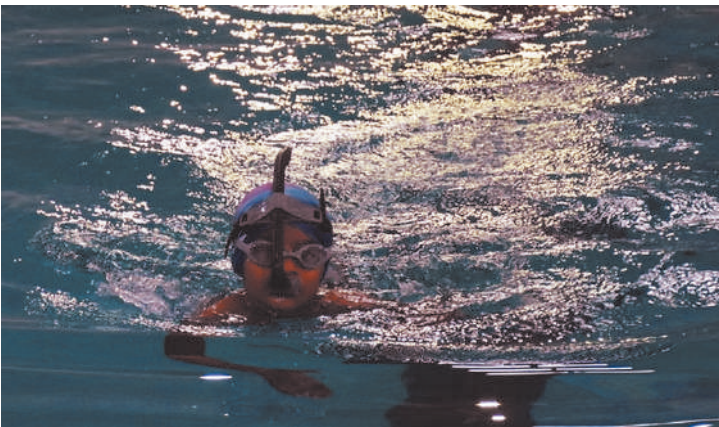
स्वाइन फ्लू से उन्नाव में देवर-भाभी की मौत

16 संपर्कों के लिए गए सैंपल; एक और संक्रमित

कानपुर, एजेंसी। सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने गांव में संपर्क में आए 16 लोगों के सैंपल लिए हैं। वहीं जिले में एक और 53 वर्षीय महिला में संक्रमण की पुष्टि हुई है। 50 वर्षीय व्यक्ति को बुखार और सांस लेने में परेशानी के बाद लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ समय बाद उनकी 56 वर्षीय भाभी की भी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें भी लखनऊ ले जाया गया। जांच में दोनों के स्वाइन फ्लू संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

24 घंटे में देवर-भाभी की मौत

इलाज के दौरान दो सितंबर की देर रात 50 वर्षीय व्यक्ति की हालत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। अगले दिन तीन सितंबर को उनकी 56 वर्षीय भाभी ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद मृतका के बेटे ने पॉजिटिव जांच रिपोर्ट के साथ स्वास्थ्य विभाग को दोनों



लखनऊ ने जीती अंडरवाटर स्विमिंग चैंपियनशिप

लखनऊ , एजेंसी। राज्य अंडरवाटर व फिन स्विमिंग चैंपियनशिप में मेजबान लखनऊ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 371 अंक के साथ खिताब जीत लिया। वाराणसी की टीम 283 अंक के साथ फेडरेशन को महासचिव तपन पाणिग्रही ने अगली राष्ट्रीय चैंपियनशिप लखनऊ में आयोजित कराने की घोषणा की। मुख्य अतिथि खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पांडेय और राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी सुधीर एम. बोबडे समेत अन्य लोग मौजूद रहे।



की मौत की सूचना दी।

16 लोगों के लिए गए सैंपल

सूचना मिलने के बाद रविवार को सीएचसी प्रभारी डॉ. मंजेश के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम अटवा बैक गांव पहुंची। टीम ने मृतकों के संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाई। ऐसे 16 लोगों के सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें आरटीपीसीआर जांच के लिए केजीएमयू लखनऊ भेजा गया है।

एक और महिला में संक्रमण की पुष्टि

जिले में 53 वर्षीय महिला में भी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। बुखार और सांस लेने में परेशानी के बाद उन्हें कानपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद बेहतर उपचार के लिए कानपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

बड़े साहब बोले, एक किलोमीटर से कम लंबी सड़क नहीं बनाता लोक निर्माण विभाग

किसानों के मुताबिक, विभाग ने तीन सितंबर को यह पत्र भेजा था

लखनऊ , एजेंसी। कमालपुर विचलका से कुबहरा गांव तक 700 मीटर अधूरी सड़क के डामरीकरण से लोक निर्माण विभाग ने पल्ला झाड़ लिया है। खंड के अधिशाली अभियंता (बड़े साहब) राजेश कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजकर कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में एक किलोमीटर से कम लंबाई की नई सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग नहीं करता।

उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 में किसी अन्य संस्था से सड़क बनवाने का सुझाव दिया है। किसानों के मुताबिक, विभाग ने तीन सितंबर को यह पत्र भेजा था। पांच सितंबर को अधिशाली अभियंता ने प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच पहुंचकर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया था लेकिन वह मौके पर नहीं पहुंचे। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। किसानों का आरोप है कि विभाग के अभियंता सड़क अधूरी होने के लिए वन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं मिलने का हवाला दे रहे हैं। सड़क का ज्यादातर हिस्सा



पहले लोक निर्माण विभाग ने ही बनाया था और अब केवल 700 मीटर हिस्सा अधूरा है। आरोप है कि विभाग इस हिस्से का निर्माण कराने के बजाय मामले को टाल रहा है। इस सड़क से समेसी, शंकरखेड़ा, भवानीखेड़ा, कलंदरखेड़ा समेत करीब 35 गांवों के लोगों का ब्लॉक और तहसील मुख्यालय तक आवागमन होता है।

नाले में पलट चुकी स्कूली वैन

ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क करीब 30 साल से अधूरी है। पिछले महीने इसी मार्ग पर स्कूली वैन नाले में पलट गई थी। हादसे में कई

पहले ही सामने आ चुके हैं संक्रमण के मामले

एक दिन पहले कानपुर मंडल में स्वाइन फ्लू संक्रमण को लेकर सामने आई स्थिति ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी थी। कानपुर में स्वाइन फ्लू से पहली मौत की पुष्टि हुई थी, जबकि उन्नाव में कई संक्रमित मरीज सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच का दायरा बढ़ाया था। कन्नौज में भी स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई थी। मंडल के अलग-अलग जिलों में मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संदिग्ध मरीजों की जांच और संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की निगरानी शुरू की थी। अब उन्नाव के अटवा बैक गांव में देवर-भाभी की मौत और एक अन्य महिला में संक्रमण की पुष्टि ने चिंता और बढ़ा दी है।

बजट बहा... कठौता में गाद जमी रही



लखनऊ , एजेंसी। इंदिरानगर और गोमतीनगर की करीब पांच लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराने वाली कठौता झील की सफाई बजट जारी होने के डेढ़ साल बाद भी नहीं हो सकी है। झील में बालू और मिट्टी जमा होने से पानी की भंडारण क्षमता घट गई है। शारदा सहायक नहर बंद होने पर इसका सीधा असर पेयजल आपूर्ति पर पड़ रहा है। गोमतीनगर स्थित तीसरे जलकल को कठौता झील से पानी मिलता है। झील में शारदा सहायक नहर

से पानी आता है, जिसमें बालू-मिट्टी भी पहुंचती है। करीब 17 फीट गहरी झील में लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण करीब 6.50 लाख क्यूबिक मीटर बालू-मिट्टी जमा होने का अनुमान है। इससे झील की क्षमता प्रभावित हुई है।

शारदा सहायक नहर की साल में दो बार करीब एक-एक महीने के लिए मरम्मत के चलते पानी की आपूर्ति बंद रहती है। इस दौरान इंदिरानगर और गोमतीनगर में झील में जमा पानी से आपूर्ति की जाती

जलकल विभाग ने जल निगम से 2.53 करोड़ रुपये वापस मांगे

झील की सफाई का काम अवस्थापना निधि से करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से होना है। इसका जिम्मा जल निगम नगरीय की निर्माण खंड हरदोई इकाई को दिया गया है। अप्रैल 2025 में पहली किस्त के तौर पर 2.53 करोड़ रुपये जारी किए गए थे लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। जलकल ने जल निगम को पत्र भेजकर राशि वापस करने को कहा है। पत्र में अवस्थापना समिति की ओर से काम निरस्त किए जाने का हवाला दिया गया है।

है। पूरी क्षमता पर झील में इतना पानी जमा हो सकता है कि करीब 28 दिन तक आपूर्ति हो सके। लेकिन गाद जमा होने से अब कम पानी स्टोर हो पाता है। नहर बंद होने पर नलकूप चलाने के बावजूद कई इलाकों में पानी की किश्त बनी रहती है।

बिना टैंडर सफाई पर उठा था विवाद

पिछले साल झील की सफाई शुरू कराई गई थी लेकिन बिना टैंडर काम कराने को लेकर विवाद खड़ा हो गया और काम बंद कर दिया गया। उस समय जलकल का कहना था कि सफाई करने वाली संस्था कोई भुगतान नहीं लेगी और झील से निकलने वाली मिट्टी ले जाएगी।



प्राविधिक शिक्षा सेवा परीक्षा से अभ्यर्थियों का मोहभंग

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में रविवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा 52 केंद्रों पर आयोजित हुई। परीक्षा के दौरान कुल पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या 22,996 थी लेकिन दोनों ही पाली में 33.91ब अभ्यर्थी ही उपस्थित रहे। 68 फीसदी से अधिक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे इस आंकड़े से पता चलता है कि कहीं ना कहीं अभ्यर्थियों का परीक्षा से मोह भंग हुआ है। इस परीक्षा में कुल 22,996 अभ्यर्थी के सापेक्ष पहली पाली सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक की परीक्षा में 15036 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या दूसरी पाली में भी यही रही।

वहीं परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न होने पाए पुलिस सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए थे। परीक्षा में अधिकांश अभ्यर्थियों ने पहली पाली और सामान्य तौर पर पेपर को न तो बहुत कठिन और न ही अत्यधिक सरल, बल्कि संतुलित बताया। जनता इंटर कॉलेज आलमबाग में परीक्षा देने आए परीक्षार्थी अनुराग वर्मा ने बताया प्रश्न पाठ्यक्रम के अनुरूप थे, जिससे तैयारी करने वाले छात्रों को पेपर हल करने में आसानी हुई। महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में परीक्षा देने आए सुनील सिंह, प्रताप भदौरिया ने कहा पेपर तय समय सीमा के भीतर प्रश्नों को हल किया जा सकता था, यानी पेपर समय के हिसाब से भी सही था। कहीं पर दिक्कत नहीं हुई।

88 राजकीय आईआईटी में 227 कोर्स बंद

(कोपा) जैसे पाठ्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार का प्रमुख माध्यम रहे हैं लेकिन तकनीक में बदलाव और रोजगार के अवसरों की बदलती प्रकृति के कारण इन ट्रेडों का आकर्षण लगातार कम हुआ। प्रशिक्षण निदेशालय के अनुसार, बीते पांच वर्षों में इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश का ग्राफ लगातार गिरते हुए 30 प्रतिशत से भी नीचे पहुंच गया। प्रशिक्षण निदेशालय के निदेशक अभिषेक सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 30 प्रतिशत से कम प्रवेश हुए हैं और जिनकी स्थानीय स्तर पर उपयोगिता व लोकप्रियता समाप्त हो चुकी है, उनमें इस सत्र से प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। एससीवीटी के संयुक्त निदेशक राधेश्याम ने बताया कि इस वर्ष केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों में प्रवेश होगा, जिन्हें प्रशिक्षण महानिदेशालय से अनुमोदन प्राप्त होगा।

107 कोर्स दूसरे संस्थानों में होंगे समायोजित

प्रशिक्षण निदेशालय के अनुसार, प्रभावित 227 कोर्स में से 107 को दूसरे संस्थानों में समायोजित किया जाएगा । इसके साथ संबंधित ट्रेडों के समकक्ष अनुदेशकों का भी स्थानांतरण होगा । समायोजन की यह प्रक्रिया इसी शैक्षणिक सत्र से लागू की जाएगी ।



संक्षिप्त

समाचार

ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने नेपाल में विनाशकारी बाढ़ पर जताया गहरा दुःख

इस मुश्किल दौर में नेपाल के साथ खड़ा रहेगा ऑस्ट्रेलिया

काठमांडू। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा है कि इस मुश्किल दौर में ऑस्ट्रेलिया नेपाल के साथ खड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई संसद को संबोधित करते हुए अल्बनीज ने बताया कि आपदा के बाद 36 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने लापता लोगों के परिवारों और रिश्तेदारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उन्हें जल्द खोजकर सुरक्षित निकाला जाएगा। नेपाल में सोमवार को आपदा में जान गंवाने वाले लोगों की याद में राष्ट्रीय शोक दिवस मनाए जाने के दौरान अल्बनीज ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी मृतकों के परिवारों और बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। अल्बनीज ने पिछले शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बातचीत भी की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने आपदा के बाद की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संकट से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले नेपाली, तिब्बती और भारतीय समुदायों के साथ भी करीबी समन्वय बनाए हुए है।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने नेपाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भोटेकोशी बाढ़ से प्रभावित नुवाकोट जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान राष्ट्रपति पौडेल को जिला आपदा प्रबंधन समिति ने प्रभावित क्षेत्रों में जारी खोज एवं बचाव अभियान, राहत वितरण, होल्टिंग सेंटरों के प्रबंधन तथा पुनर्वास प्रयासों के बारे में जानकारी दी। मुख्य जिला अधिकारी शम्भु प्रसाद रेग्मी और समिति के अन्य सदस्यों ने राष्ट्रपति को जिले में बाढ़ से हुई जन-धन की क्षति के बारे में जानकारी दी। रेग्मी ने खोज एवं बचाव, राहत वितरण, प्रभावित समुदायों के पुनर्वास तथा तत्काल पुर्ननिर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी बताया। राष्ट्रपति पौडेल ने विदुर नगरपालिका-2 स्थित कवर हॉल में बनाए गए होल्टिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया। वहां उन्होंने रसुवा और नुवाकोट के बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की, जो इस केंद्र में शरण लिए हुए हैं। बातचीत के दौरान प्रभावित लोगों ने विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ से हुए नुकसान और तबाही के बारे में राष्ट्रपति को जानकारी दी। उन्होंने सरकार और संबंधित संस्थाओं से खोज एवं बचाव, राहत वितरण और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ भविष्य में ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए तैयारियों को और मजबूत करने की मांग की।

बाढ़ प्रभावित नेपाल को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने को अमेरिका तैयार: मार्को रुबियो

काठमांडू। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को नेपाल की सेतारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने से टेलीफोन पर बात की और विनाशकारी बाढ़ में हुई जानमाल की क्षति के लिए सांत्वना देते हुए नेपाल सरकार के प्रति एकजुटता जताई। रुबियो ने कहा कि अमेरिका विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित नेपाल को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। आरएसपी के अनुसार रुबियो ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया और इस कठिन समय में नेपाली जनता तथा नेपाल सरकार के प्रति एकजुटता जताई। रुबियो ने कहा कि अमेरिका नेपाल को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। बातचीत के दौरान लामिछाने ने कहा कि उनकी पार्टी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सरकार द्वारा जारी खोज, बचाव और राहत कार्यों में सहयोग के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने रुबियो को आश्चर्य व्यक्त किया कि हाल की बाढ़ से प्रभावित विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए नेपाल प्रतिबद्ध है। लामिछाने ने आपदा के दौरान सहायता एवं सहयोग प्रदान करने के लिए अमेरिकी सरकार का आभार जताया।

हादसे पर बांग्लादेश उच्चायोग ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी हॉस्टल की इमारत ढहने की घटना पर बांग्लादेश उच्चायोग ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उच्चायोग ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों और मलबे में फंसे लोगों के लिए प्रार्थना की है। हादसे में अब तक छह लोगों की मौत हुई है, जबकि छह अन्य की हालत स्थिर बताई गई है। नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग ने सोमवार को एक्स पोस्ट में अपनी शोक संवेदना में कहा कि वह सत्य निकेतन में हुई दुखद इमारत ढहने की घटना से स्तब्ध है। उच्चायोग ने मृतकों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उसने कहा कि उसकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों तथा उन लोगों के साथ हैं, जिनके अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। इस कठिन घड़ी में वह हादसा प्रभावित और संकट में फंसे सभी महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के साथ एकजुटता से खड़ा है। यह हादसा छह सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के पास सत्य निकेतन इलाके में स्थित करीब 40-50 वर्ष पुरानी पांच मंजिला पीजी हॉस्टल इमारत 'हॉस्टल डेज' में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इमारत के बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। बेसमेंट में पानी जमा होने और पुरानी संरचना में चल रहे मरम्मत कार्य के दौरान इमारत की संरचनात्मक मजबूती प्रभावित होने से यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मलबे में बड़ी संख्या में लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई थी। शुरुआती रिपोर्टों में 15 से 50 लोगों के फंसे होने की बात सामने आई थी। बचाव अभियान के दौरान अब तक 12 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लोग जीवित हैं और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। सभी घायलों का उपचार जारी है और उनके परिजनों को स्थिति की जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) समेत कई एजेंसियां राहत और बचाव अभियान में लगी हुई हैं। घटनास्थल पर मलबा हटाने और उसमें फंसे लोगों की तलाश का काम लगातार जारी है।

लंदन में नौकरी का झांसा देकर ठगी के आरोप में यूट्यूबर ए. रामा नंदना हिरासत में

हैदराबाद। प्रसिद्ध यूट्यूबर और एनआरआई ए. रामा नंदना को सोमवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से जारी लुकआउट सर्कुलर के आधार पर ग्रह कार्रवाई की गई। नंदना और उनके पति जे. मधुकर पर लंदन में नौकरी और स्पॉन्सरशिप दिलाने का झांसा देकर कई लोगों से कथित तौर पर रकम वसूलने का आरोप है। ए. रामा नंदना अपने यूट्यूब चैनल 'नंदुज वर्ल्ड' के नाम से भी जानी जाती हैं। पुलिस की ओर से जारी लुकआउट नोटिस के आधार पर शमशाबाद स्थित आरजीआईए के इमिग्रेशन अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर पहुंचते ही उनकी पहचान की और हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, नंदना और उनके पति जे. मधुकर मूल रूप से आंध्र प्रदेश के गुंटूर के रहने वाले हैं। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने बेरोजगार युवाओं को ब्रिटेन में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी और स्पॉन्सरशिप दिलाने का भरोसा दिलाकर उनसे कथित तौर पर बड़ी रकम वसूली। पुलिस के मुताबिक, इस कथित विदेश रोजगार धोखाधड़ी के संबंध में आंध्र प्रदेश के इब्राहिमपटनम समेत अन्य क्षेत्रों में कई मामले दर्ज किए गए हैं। शिकायतों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस कथित ठगी में कितने लोग प्रभावित हुए तथा उनसे कुल कितनी रकम ली गई। नंदना के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी होने के कारण उनके विदेश से भारत पहुंचने की सूचना इमिग्रेशन अधिकारियों को थी। सोमवार को हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई और पूछताछ के लिए उन्हें आंध्र प्रदेश पुलिस की इब्राहिमपटनम पुलिस को सौंप जाने की संभावना है।



तेलंगाना विधानसभा के बाहर काली टी-शर्ट को लेकर हंगामा

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को विरोध प्रदर्शनों के बीच शुरू हुआ। काली टी-शर्ट पहनकर विधानसभा पहुंचे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर), पूर्व मंत्री टी. हरीश राव समेत कई विधायकों को पुलिस ने परिसर में प्रवेश से रोक दिया। बाद में पुलिस ने केटीआर, हरीश राव और अन्य नेताओं को हिरासत में लेकर तेलंगाना भवन पहुंचाया। बीआरएस विधायक कांग्रेस सरकार के कथित अशुभ चुनावी वादों के विरोध में "गारंटियों को लागू करने में कांग्रेस विफल" में "1,000 दिनों का शासन विफल" जैसे नारों वाली काली टी-शर्ट पहनकर विधानसभा पहुंचे थे। पुलिस ने राजनीतिक संदेश वाली टी-शर्ट पहनकर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होने की बात कही। इसके बाद मुख्य द्वार पर नेताओं और पुलिस के बीच बहस और धक्का-मुक्की हुई।

बीआरएस का दावा है कि इस दौरान केटीआर और पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी को मामूली चोटें आईं। पार्टी ने महिला विधायकों के साथ भी पुलिस द्वारा धक्का-मुक्की किए जाने का आरोप लगाया है। विधायक व्ी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके पैर कुचले गए। केटीआर के जनसंपर्क अधिकारी महेश के भी घायल होने की बात



कही गई है। प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने पर हरीश राव ने अपनी टी-शर्ट उतार दी और सदन में जनता के मुद्दे उठाने के लिए भीतर जाने देने की मांग की। बाद में उन्हें केटीआर और अन्य नेताओं के साथ हिरासत में लिया गया। वहीं, सामान्य कपड़ों में पहुंचे बीआरएस सदस्यों को विधानसभा परिसर में प्रवेश दिया गया।

सत्र के पहले दिन विरोध प्रदर्शन की शुरुआत विधानसभा के सामने स्थित गनपार्क से हुई। केटीआर ने कहा कि बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने पार्टी नेताओं को सदन में सरकार की अधूरी गारंटियों पर उनके पैर कुचले गए। केटीआर के जनसंपर्क के मुख्य द्वार पर हुए विरोध और पुलिस कार्रवाई

हिरासत में लिए गए केटीआर और हरीश राव

के कारण इलाके में करीब 30 से 40 मिनट तक यातायात प्रभावित रहा। तलासानी श्रीनिवास यादव, पी. सविता इंद्र रेड्डी, कावा लक्ष्मी और माधवरम कृष्णा राव समेत अन्य बीआरएस नेताओं ने पार्टी विधायकों के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में विधानसभा लॉबी के प्रवेश द्वार पर धरना दिया।

पत्रकारों से बातचीत में केटीआर ने सवाल उठाया कि जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में काली टी-शर्ट पहनने की अनुमति दी गई, तो तेलंगाना विधानसभा में बीआरएस नेताओं को ऐसा करने से क्यों रोका गया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनाव के दौरान 420 वादे करने और उन्हें 100 दिनों में पूरा करने का संकल्प लेने का आरोप लगाया। केटीआर ने दावा किया कि सरकार के 1,000 दिन पूरे होने के बावजूद एक भी वादा पूरा नहीं हुआ है। केटीआर ने विधानसभा के पास हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में बीआरएस कार्यकर्ताओं से राज्यव्यापी प्रदर्शन करने का आह्वान किया। बीआरएस ने प्रदर्शन के दौरान महिला विधायकों के साथ कथित अभद्र व्यवहार का भी आरोप लगाया है।

एससी छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति व्यवस्था सुदृढ़

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के वितरण तंत्र को अधिक पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध बना दिया है। ऑनलाइन आवेदन प्रणाली, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) और आधार-आधारित भुगतान व्यवस्था के प्रभावी समन्वय से देश भर के पात्र छात्रों तक छात्रवृत्ति की राशि बिना किसी रुकावट के पहुंचाई जा रही है।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार मंत्रालय इस योजना को राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के माध्यम से क्रियान्वित कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने

के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना है।

इस व्यवस्था के तहत आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) और संबंधित राज्यों के निर्दिष्ट छात्रवृत्ति पोर्टलों के जरिए आमंत्रित किए जाते हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा जमीनी स्तर पर पात्रता की जांच तथा डेटा सत्यापन पूरा किए जाने के बाद, उनके निर्धारित अंशदान के आधार पर केंद्र सरकार अपनी हिस्सेदारी सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करती है। योजना में वर्ष 2021-22 के दौरान प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की शुरुआत की गई थी। इस व्यवस्था से निधियों का प्रवाह तेज हुआ है और लाभार्थियों का सटीक लक्ष्यीकरण संभव हो सका है। आधार-आधारित भुगतान प्रणाली ने बैंक लेन-देन की जटिलताओं को दूर कर दोहराव को पूरी तरह समाप्त किया है।



Ministry of Social Justice and Empowerment

टीएमसी सांसद नदीमुल हक से जुड़े सात ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी, कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े दिल्ली, कोलकाता और रांची के सात ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार सुबह एक साथ तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई सुबह करीब छह बजे शुरू हुई। ईडी की अलग-अलग टीमों संसद से जुड़े आवास और कार्यालयों के अलावा अन्य परिसरों में भी पहुंचीं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ईडी की जांच में वित्तीय लेन-देन, धन के स्रोत और कथित संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि धन के प्रवाह और उससे जुड़े लेन-देन के बीच कोई आपसी संबंध है या नहीं। जांच के दायरे में संबंधित समाचार पत्र और अन्य प्रकाशनों से जुड़े कुछ

आरोप भी शामिल बताए जा रहे हैं।

दरअसल, नदीमुल हक का नाम कोलकाता से प्रकाशित एक उर्दू दैनिक समाचार पत्र से भी जुड़ा है। उन्हें इस समाचार पत्र का निदेशक बताया जाता है। जानकारी के अनुसार, अखबार के अन्य शहरों से भी संस्करण प्रकाशित होते हैं। ईडी की टीम ने कोलकाता के पार्क सर्कस स्थित समाचार पत्र के कार्यालय में भी तलाशी ली। तलाशी अभियान के समय कार्यालय बंद रहा और सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईडी के अधिकारियों ने परिसर में दस्तावेजों तथा अन्य रिकॉर्ड की जांच की। कार्रवाई के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान वित्तीय अभिलेखों, दस्तावेजों और अन्य संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। एजेंसी कथित संदिग्ध लेन-देन तथा



धन के स्रोतों से जुड़े पहलुओं को खंगाल रही है। प्रारंभिक जानकारी में यह मामला बिधाननगर थाने में दर्ज एक प्रकरण से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि, जांच से जुड़े आरोपों और उनके सभी पहलुओं की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। ईडी की कार्रवाई के बाद मामले में आगे की जांच और दस्तावेजों की पड़ताल के आधार पर तस्वीर और स्पष्ट होने

की संभावना है।

ईडी की टीमों ने दिल्ली, कोलकाता और रांची में नदीमुल हक से जुड़े कुल सात परिसरों पर तलाशी ली। एक साथ कई स्थानों पर हुई इस कार्रवाई से राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। हालांकि, तलाशी पूरी होने तक एजेंसी की ओर से किसी जल्दी, गिरफ्तारी या जांच के अगले चरण के संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मोहम्मद नदीमुल हक पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य हैं। उनके परिसरों और उनसे जुड़े प्रतिष्ठानों पर ईडी की कार्रवाई के बाद राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। फिलहाल जांच जारी है और मामले से जुड़े आरोपों तथा वित्तीय लेन-देन के वास्तविक स्वरूप के बारे में अंतिम स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए हीरा ठाकुर

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पूर्व सदस्य, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं कपूर्ी ठाकुर विचार मंच के अध्यक्ष हीरा ठाकुर सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने जातिगत जनगणना के मुद्दे पर पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय का आरोप लगाते हुए भाजपा छोड़ने का फैसला किया।

कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद, सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर समेत कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान हीरा ठाकुर को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

हीरा ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा का एक भी नेता सच नहीं बोल रहा है। जननायक कपूर्ी ठाकुर देश के पहले ऐसे नेताओं में थे जिन्होंने बिहार में पिछड़े वर्गों



को आरक्षण दिया, लेकिन पिछड़ों की बड़ी आबादी अब भी अपने अधिकारों से वंचित है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने जातिगत जनगणना के मुद्दे को मजबूती से उठाया और इसके लिए बड़ी लड़ाई लड़ी। ठाकुर ने आरोप लगाया कि जब जनगणना का एजेंडा सामने आया तो उसमें पिछड़ी जातियों के साथ धोखा किया गया।

राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार केवल चुनिंदा पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बेचा गया, युवाओं से रोजगार के अवसर छीने गए और शिक्षा को

महंगा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन मुद्दों को लेकर सड़क से संसद तक लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

सीतापुर के सांसद राकेश राठौर ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय, संविधान और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। हीरा ठाकुर जैसे नेता के कांग्रेस में आने से पिछड़े और अतिपिछड़े समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे हैं।

एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि हीरा ठाकुर वर्षों से अतिपिछड़े समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे हैं।

तमिलनाडु विधानसभा में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश, द्रमुक ने किया वॉकआउट

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा का सत्र तीन दिनों के अवकाश के बाद सोमवार सुबह 9:30 बजे फिर शुरू हुआ। यह विधानसभा सत्र का 14वां दिन है। सदन में मुख्यमंत्री विजय ने पुलिस विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े मुद्दों पर सदस्यों ने चर्चा की और सरकार की ओर से कई विधायी प्रस्ताव सदन के समक्ष रखे गए। सोमवार के सत्र में सरकार की ओर से तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए। इनमें तमिलनाडु वेतन भुगतान

कानून संशोधन विधेयक, 2026, तमिलनाडु पंचायत द्वितीय संशोधन विधेयक, 2026 और तमिलनाडु मूल्य वर्धित कर (वैट) द्वितीय संशोधन विधेयक, 2026 शामिल हैं। इन विधेयकों के जरिए संबंधित कानूनों में आवश्यक संशोधन किए जाने का प्रस्ताव है।

सदन में पुलिस एवं अग्निशमन विभाग की अनुदान मांगों पर जवाब के अलावा वाणिज्यिक कर, स्टॉप एवं पंजीकरण, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा वन विभाग से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और अनुदान से संबंधित मुद्दों को लेकर सदस्यों ने अपनी बातें



रखीं। विधानसभा का मौजूदा सत्र मंगलवार को समाप्त होने वाला है। सत्र के अंतिम दिन सामान्य प्रशासन, राज्य विधानसभा

प्रस्तावित है। इसके बाद संबंधित विभागों की मांगों पर सदन में आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बोलने का अवसर नहीं मिलने पर द्रमुक का वॉकआउट: इधर, विधानसभा में मुख्यमंत्री के जवाब के दौरान बोलने का अवसर नहीं मिलने से नाराज द्रविड़ मुनेत्र कडगम (द्रमुक) के सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। मुख्यमंत्री विजय जब पुलिस विभाग की अनुदान मांगों पर सदन में जवाब दे रहे थे, उस समय द्रमुक सदस्यों ने लगातार हंगामा किया।

द्रमुक सदस्यों ने विधानसभा अध्यक्ष से उन्हें अपनी बात रखने

का अवसर देने का अनुरोध किया। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री के जवाब के दौरान यदि द्रमुक सदस्य पूरी तरह शांत रहते, तो उन्हें बोलने का मौका दिया जाता। हालांकि, हंगामे के बीच अध्यक्ष ने तत्काल उन्हें बोलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

इसके बाद द्रमुक सदस्यों ने विरोध जताते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। वॉकआउट के दौरान सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक तनाव देखने को मिला। मुख्यमंत्री का जवाब जारी रहा और विधानसभा की कार्यवाही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ी।



तीज के मौके पर नई दुल्हन की तरह सजने के लिए क्रिएट करें ये लुक्स

हरतालिका तीज का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और भगवान शिव पार्वती की पूजा करती हैं। इसलिए वो सोलह श्रृंगार करके तैयार होती हैं, ताकि वो व्रत के दिन अच्छी लग सकें। इसके लिए आप भी अलग-अलग मेकअप लुक को क्रिएट कर सकती हैं। जिसे आप एथनिक आउटफिट पर कर सकती हैं। इसमें आप सुंदर लगेंगी।

आंखों का मेकअप करें खास

अगर आपको अपनी आंखें हाइलाइट करना पसंद है, तो इसके लिए आप हरतालिका तीज पर सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव मेकअप अपनी आंखों पर क्रिएट करें। इसके लिए आपको ड्रेस के कलर को ध्यान में रखते हुए कलर्स का इस्तेमाल अपनी आंखों पर करना है। इसे अच्छे से मर्ज करना है। फिर इसमें ग्लिटर लगाएं। अब बोल्ड लाइनर लगाकर मेकअप को कंप्लीट करें। इस तरह के आई मेकअप के साथ अपना मेकअप बेस को सिंपल रखें। इससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

रेड लिपस्टिक से

लुक्स को बनाएं खास

आप मेकअप लुक क्रिएट करने के लिए आंखों के साथ-साथ लिप्स को भी हाइलाइट कर सकती हैं। इस तरह से आपका मेकअप लुक अलग और अच्छा लगेगा। इस तरह के मेकअप के लिए आपको लिप्स पर रेड कलर को अप्लाई करना है, ताकि आप सुंदर और ट्रेडिशनल तरीके से तैयार हुई दिखाई दें। इसके लिए आपको बेस को सिंपल रखना है। माथे पर गोल बड़ी या छोटी लाल बिंदी लगानी है और सिंदूर लगाकर लुक को कंप्लीट करना है। इससे आप सुंदर लगेंगी।

सिंपल न्यूड मेकअप लुक

आप अगर ज्यादा हेवी मेकअप करना पसंद नहीं करती हैं, तो इसके लिए आप न्यूड सिंपल मेकअप लुक को क्रिएट कर सकती हैं। इस तरह के मेकअप से आपका लुक सबसे अलग और खूबसूरत लगेगा। साथ ही, आप सुंदर दिखाई देंगी। इसमें आपकी आंखें भी बोल्ड नजर आएंगी। लिपस्टिक के लिए आप ब्राउन कलर को अप्लाई करें। साथ में अच्छा हेयर स्टाइल करें और पूजा के लिए तैयार हो जाएं। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। हरतालिका तीज पर इन मेकअप लुक को क्रिएट करके आप अच्छी लगेंगी। साथ ही, आपका लुक सबसे अलग दिखाई देगा। इन्हें करने में आपको समय भी कम लगेगा। इससे हर कोई आपकी तारीफ करेगा।



गणेश पूजा के समय पहनें नौवारी साड़ी

गणेश पूजा बेहद खास होता है। इसे सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में मनाया जाता है। इसलिए हर कोई यहां के ट्रेडिशनल आउटफिट पहनना पसंद करते हैं। त्योहारों पर अच्छे से तैयार होना हम सभी को पसंद होता है। इसी वजह से हम अक्सर अलग-अलग डिजाइन के कपड़ों की खरीदारी करते हैं, ताकि जब तैयार होकर आए तो हम सुंदर दिखाई दें। इसके लिए आप महाराष्ट्रीयन नौवारी साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में अच्छी लगेंगी। इससे लुक अच्छा लगेगा।

रेड कलर नौवारी साड़ी

आप गणेश उत्सव के मौके पर रेड कलर की नौवारी साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको सिल्क फैब्रिक में हेवी डिजाइन वाली साड़ी मिलेगी। साथ ही, इसका बॉर्डर भी आपको हेवी मिलेगा। इससे आपकी साड़ी सुंदर लगेगी। इस तरह की साड़ी को आप महाराष्ट्रीयन स्टाइल में वियर करें। साथ ही, पहनने के लिए हेवी वर्क वाले ब्लाउज को पहनें। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप गणेश उत्सव के लिए रेडी हो जाएंगी।

पिंक कलर नौवारी साड़ी

आप पिंक कलर की कॉटन सिल्क साड़ी को खरीदकर गणेश उत्सव में स्टाइल कर सकती हैं।

इस तरह की साड़ी में आपका लुक सबसे अलग और खूबसूरत लगेगा। मार्केट में आप इस तरह की साड़ी रेडी टू वियर भी ले सकती हैं या खुद भी इसे जाकर बांध सकती हैं। इसमें आप अच्छी नजर आएंगी। इसके साथ आप गोल्ड ज्वेलरी को वियर करें। यह साड़ी के साथ अच्छी लगेगी।

ग्रीन कलर नौवारी साड़ी

गणेश पूजा पर पहनने के लिए ग्रीन कलर की नौवारी साड़ी भी अच्छी लगेगी। इस तरह की साड़ी को आप बॉर्डर के साथ खरीदें, ताकि आपका लुक अच्छा लगे। इसके साथ ही आप ज्वेलरी को वियर करें। नथ पहनना बिल्कुल भी न भूलें। इससे आपका लुक सबसे अलग लगेगा। मार्केट में इस तरह की बॉर्डर साड़ी आपको सिल्क फैब्रिक में मिल जाएगी।

इस बार स्टाइल करें नौवारी साड़ी। इसमें आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपका गणेश उत्सव अच्छे से सेलिब्रेट होगा। आपको भी ऐसा लगेगा जैसे आप मुंबई में जाकर गणपति सेलिब्रेट कर रही हैं। साड़ी यह आपको आसानी से मिल जाएगी। साथ ही, आप चाहें तो बंधी-बंधाई साड़ी भी लेकर आ सकती हैं। ऐसे में आपको इसे पहनने में समय भी कम लगेगा। आप पूजा के लिए समय पर तैयार हो जाएंगी।



गणेश पूजा लुक को कंप्लीट करने के लिए पहनें ये महाराष्ट्रीयन नोज पिन

गणेशोत्सव इस साल 7 सितंबर से शुरू होने वाला है। इन दिनों हर कोई अपने घर में बप्पा का आगमन करता है। घर को सजाता है और उनकी पूजा अर्चना करता है। इन दिनों महिलाएं खास तरीके से तैयार होती हैं। हर किसी को पसंद होता है कि वो महाराष्ट्रीयन स्टाइल नौवारी साड़ी और ज्वेलरी को स्टाइल करें। इसमें से सबसे ज्यादा खास होती है नोज पिन जो लुक को कंप्लीट करती है। आप भी अपने लुक को सुंदर बनाने के लिए इस बार गणेश उत्सव पर महाराष्ट्रीयन नोज पिन को स्टाइल कर सकती हैं।

व्हाइट पर्ल महाराष्ट्रीयन नोज पिन

अगर आपको पर्ल डिजाइन वाली ज्वेलरी पहनना पसंद है, तो इसके लिए आप पर्ल वाली नोज पिन को भी खरीदकर साड़ी के साथ वियर कर सकती हैं। इसमें पूरी नोज पिन में पर्ल का वर्क मिलेगा। इसके अलावा बीच में एक छोटा स्टोन मिलेगा। इससे यह नोज पिन पहनने के बाद अच्छी लगेगी। इसमें आप चाहें तो पर्ल को अलग कलर में खरीद सकती हैं। यह ऑप्शन भी आपको मार्केट में मिल जाएगा। इसे आप ऑर्टिफिशियल खरीदेंगी तो यह आपको 200 से 300 रुपये में मिल जाएगी।

मोर डिजाइन वाली महाराष्ट्रीयन नोज पिन

आप डिजाइन में चेंज करके मोर डिजाइन वाली महाराष्ट्रीयन नोज पिन को खरीद सकती हैं। इसमें आपको ऊपर की तरफ मोर के फेंस का डिजाइन मिलेगा। इसमें आपको बीच में स्टोन वर्क मिलेगा, जो गोल्ड पर अच्छा लगेगा और नीचे की तरफ छोटे-छोटे मोती मिलेंगे। इससे जब आप इसे वियर करेंगी तो अच्छी लगेगी। इस तरह की नोज पिन भी मार्केट में ऑर्टिफिशियल मिल जाती है। जिसे वियर करके आपका लुक महाराष्ट्रीयन जैसा लगेगा।

ऑवर्सीड्राइड महाराष्ट्रीयन नोज पिन

आप अगर सूट या ड्रेस-वेस्टर्न आउटफिट के साथ नोज पिन पहनना चाहती हैं, तो इसके लिए इस तस्वीर में दिखाई गई नोज पिन को वियर कर सकती हैं। महाराष्ट्रीयन नोज पिन ऑवर्सीड्राइड में भी अच्छी लगती है। साथ ही, इसमें लुक भी सुंदर लगता है। इस तरह की नोज पिन में आपको एक स्टोन और थोड़े से मोती के डिजाइन मिल जाते हैं।



हरतालिका तीज के मौके पर पैरों की शोभा बढ़ाएंगी पायल की ये खूबसूरत डिजाइंस

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाना हम सभी चाहते हैं और इसके लिए हम आप दिन ना ए ट्रेडिग चीजों को स्टाइल करना पसंद करते हैं। वहीं त्योहारों के खास मौके पर हम सभी ट्रेडिशनल वियर पहनते हैं।

ऐसे में हरतालिका तीज आने वाली है और इस मौके पर हम सजना-सवरना पसंद करते हैं व पति की लम्बी आयु के लिए व्रत भी रखते हैं। इस मौके पर पैरों में भी पायल को पहना जाता है। इसमें आपको अलग-अलग पैरों की शैप के अनुसार डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। तो आइये देखते हैं पायल की नई डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन पायल को स्टाइलिश लुक देने के आसान टिप्स-

मल्टी कलर डिजाइन

पैरों की शोभा बढ़ाने के लिए आप रंग-बिरंगी पायल को पैरों में पेन सकते हैं। देखने में यह जितनी खूबसूरत नजर आती है, उतना ही यह लगभग सभी तरह के कलर वाले कपड़ों के साथ में बेस्ट नजर आने का काम करती है।

डोली डिजाइन पायल

हेवी डिजाइन की पायल पैरों में पहनना चाहती हैं तो इस तरह की रंग-बिरंगी डोली वाले डिजाइन को चुन सकती हैं। देखने में इस तरह की पायल आपके पैरों की

खूबसूरती को बढ़ाने का काम करेगी। इसमें आपको कुंदन डिजाइन में मैरून, रेड और ग्रीन कलर सबसे ज्यादा देखने को मिल जाएंगे। शादी या किसी त्योहार के लिए साड़ी के साथ में इस पायल को पहना जा सकता है।

हेवी स्टोन वर्क

पायल डिजाइन

मॉडर्न डिजाइन की पायल ढूँढ रही हैं तो इस तरह की बारीक साइज के स्टोन वाली पायल आपके लिए बेस्ट साबित हो सकती है। इसमें आपको कई सारे स्टोन वाले कलर्स देखने को मिल जाएंगे। आप चाहें तो इसमें अपने हिसाब से भी पेस्टल या डार्क कलर्स की पायल का डिजाइन अपने लिए कस्टमाइज करवा सकती हैं।

घुघरु डिजाइन पायल

घुघरु के डिजाइन पायल में सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। घुघरु की आवाज को शुभ माना जाता है। वहीं इस तरह की पायल में सबसे ज्यादा आपको असली सिल्वर में कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। ज्यादातर इसमें फैसी लुक के लिए चौड़े डिजाइन की पायल को पहना जाता है। वहीं डेली वियर या सिंपल लुक के लिए इसमें आपको हर तरह की चौड़ाई में अलग-अलग डिजाइन का कलेक्शन देखने को मिल जाएगा।



गणेश उत्सव में पहनें बांधनी कुर्ती के ये डिजाइंस

कुर्ती को आप प्लाजो और पैन्ट्स के अलावा जीन्स के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो कस्टमाइज किया हुआ सूट लुक भी तैयार कर सकती हैं। हम सभी आए दिन अपने वार्डरोब में कई तरह के बदलाव करते रहते हैं। ऐसे में बदलते फैशन के दौर में कुर्ती पहनना काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं गणेश उत्सव आने वाला है। इस मौके पर कुर्ती में फैसी लुक पाने के लिए आप बांधनी कुर्ती डिजाइन चुन सकती हैं।

बांधनी कुर्ती सबसे ज्यादा जयपुर और गुजरात में पहनी जाती है। तो आइये देखते हैं गणेश उत्सव में पहनने के लिए बांधनी कुर्ती के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन कुर्तियों को आकर्षक लुक देने के लिए आसान टिप्स-

कलीदार बांधनी

कुर्ती डिजाइन

बांधनी में फैसी और फॉक स्टाइल कुर्ती ढूँढ रही हैं तो अनारकली कालिदार कुर्ती आपके लिए बेस्ट रहेगी। इसमें आपको कई फैसी गोटा-पती से लेकर हेवी नेकलाइन या स्टाइलिश स्लीव्स के डिजाइन में कई

कुर्ती देखने को मिल जाएगी। कुर्ती को आप ड्रेस की तरह भी पहन सकते हैं और चाहें तो साथ में चूड़ीदार पंजामी भी पहन सकती हैं। देखने में यह लुक काफी आकर्षक नजर आएगा।

स्लीवलेस डिजाइन

खुद फैब्रिक खरीदकर कुर्ती सिलवाना चाहती हैं और स्टाइलिश भी दिखना चाहती हैं तो इस तरह की स्लीवलेस कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। यह देखने में बेहद मॉडर्न लुक देने में मदद करेगी। आप चाहें तो फैसी लुक के लिए कुर्ती की साइड और बैक में डोरी के साथ में हेवी लटकन लगवा सकती हैं।

फंट रिलट कट बांधनी

कुर्ती डिजाइन

अगर आप कुर्ती को जीन्स के साथ में पहनना चाहती हैं और डंडो-वेस्टर्न लुक में कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह की फंट रिलट वाली रिलट कुर्ती को पहन सकती हैं। इस तरह का कुर्ती लुक कॉलेज जाने से लेकर किसी छोटे-बड़े फंक्शन के लिए आप ट्राई कर सकती हैं। स्टाइलिश लुक के लिए फुटवियर में आप पंजाबी जूती को स्टाइल करें।



हर रंग की चूड़ी के साथ अच्छे लगेंगे कंगन के ये लेटेस्ट डिजाइंस

आपको कंगन के कुछ ऐसे डिजाइंस दिखा रहे हैं, जिन्हें आप हरतालिका तीज के मौके पर पहन सकती हैं। ये आपके हाथों की शोभा बढ़ाएंगे और हर रंग की चूड़ियों के साथ खूबसूरत लगेंगे। ज्यादातर महिलाएं, हरतालिका तीज पर मेहंदी लगाना पसंद करती हैं। ऐसे में मेहंदी लगे हाथों में चूड़ियों के साथ कंगन के ये डिजाइंस आपको लुक को और आकर्षक बनाएंगे।

फ्लोरल डिजाइन कंगन

फूल-पत्ती और कलियों वाले डिजाइन के कंगन, प्लेन चूड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको सिंपल स्टोन वर्क से लेकर सिल्वर ज्वेलरी तक, कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इसमें आपको अपनी पसंद के और साड़ी या सूट के साथ मैचिंग कई कलर्स

देखने को मिल जाएंगे। आप चाहें तो अपनी ड्रेस से मिलते-जुलते कलर कॉम्बिनेशन को मिक्स करके सेट तैयार कर सकती हैं। ये कंगन किसी भी रंग की चूड़ी के साथ खूब फबेंगे। मार्केट में आपको इससे मिलते-जुलते कंगन 200-300 रुपये के पियर तक में मिल सकते हैं।

जरकन कंगन डिजाइन

ज्वेलरी में स्टोन वर्क को हमेशा पसंद किया जाता है। इसमें आप बारीक डिजाइन वाले इन जरकन वाले कंगन को पहन सकती हैं। अगर आपके हाथ भारी हैं तो इसमें आप चौड़े डिजाइन चुन सकती हैं। इसमें आपको लटकन और चैन में भी कई फैसी कंगन डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। ये कंगन प्लेन चूड़ियों के साथ बहुत अच्छे लगेंगे।

अगर आप चूड़ी नहीं पहन रही हैं, तो इस तरह के कंगन आपको बिना चूड़ी के भी हेवी लुक देने में मदद कर सकते हैं। आजकल इस तरह के कंगन में लटकन वर्क भी काफी पसंद किया जाने लगा है।

पर्ल कंगन डिजाइन

पर्ल वर्क ज्यादातर सटल और पेस्टल कलर की ड्रेस के साथ बेस्ट लुक देता है। पर्ल ज्वेलरी हमेशा ट्रेंड में रहती है और इसे अलग-अलग तरीके से स्टाइल किया जा सकता है। आजकल इसमें आपको ग्रीन और मैरून स्टोन डिजाइन में भी मिल जाएंगे। इस तरह के कंगन हर कलर की चूड़ियों के साथ आपको परफेक्ट लुक देंगे। अगर आप लाल और हरे रंग की चूड़ियां पहन रही हैं, तो कंट्रास्ट में पर्ल कंगन काफी खूबसूरत लगेंगे।



हरतालिका तीज के मौके पर आप कंगन के इन लेटेस्ट डिजाइंस को पहनें। ये हर रंग की चूड़ियों के साथ खूबसूरत लगेंगे और आपके हाथों की शोभा बढ़ाएंगे।

भारत तीज-त्योहारों का देश है। एक के बाद एक त्योहार आकर जीवन में रंग भर देते हैं। हरियाली तीज, रक्षाबंधन, कजरी तीज और जनमाष्टमी के बाद, अब हरतालिका तीज का त्योहार आने वाला है। त्योहार यूं तो सभी के लिए खास होते हैं। लेकिन, खासकर महिलाएं त्योहार के मौकों पर सजने-संवरने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। साड़ियां हो या फिर ज्वेलरी, महिलाएं, त्योहारों पर सोलह-श्रृंगार करना पसंद करती हैं। खासकर, हाथों में चूड़ियां और कंगन पहनना, शादीशुदा महिलाओं को खूब भाता है। यहां हम



नेपोटिज्म पर अरशद वारसी की अलग राय? स्टारकिड्स के बारे में कहा

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म पर बातें होती हैं। हाल ही में अभिनेता अरशद वारसी ने भी इस बारे में अपनी राय रखी। उनका मानना है कि इस मुद्दे को कंगना रनौत लेकर आई। अरशद वारसी का कहना है कि भाई-भतीजावाद से स्टारकिड्स के लिए पहला दरवाजा खुल सकता है, वे आगे कहाँ तक जाएंगे यह बात किसी की प्रतिभा पर निर्भर होती है। अभिनेता अरशद वारसी ने भाई-भतीजावाद की बहस को चर्चा में लाने का क्रेडिट कंगना रनौत को दिया है। अभिनेता का मानना है कि स्टार किड्स को फिल्म इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री मिल जाती है। अरशद के मुताबिक, मशहूर सरनेम सिर्फ पहला दरवाजा ही खोल सकता है। कोई एक्टर वहाँ टिकेगा या नहीं, यह आखिरकार उसके टैलेंट के ऊपर है। अरशद वारसी ने फिल्मीज्ञान के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तब नेपोटिज्म कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, 'कंगना नेपोटिज्म का मुद्दा लेकर आई और फिर यह बड़ा हो गया। हर कोई इसके बारे में बात करने लगा।' अरशद ने यह माना कि नेपोटिज्म मौजूद है। मगर, साथ ही कहा कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मानना है कि बिना प्रतिभा के कोई भी एक्टर बहुत आगे नहीं बढ़ सकता। एक्टर के मुताबिक, नेपोटिज्म का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे जल्दी मौका मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनके लिए दरवाजा जल्दी खुल जाए, लेकिन अगर आपमें टैलेंट नहीं है, तो वह दरवाजा जल्दी ही बंद भी हो जाता है।' अरशद का कहना है कि वह अपने बच्चों पर सफल होने का दबाव नहीं डालना चाहते और न ही इस बात की चिंता करना चाहते हैं कि वे फेल होंगे या क्या होगा। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि वे एक्टिंग को एक कला के तौर पर समझें और अगर वे इसे अपनाना चाहें, तो इसके लिए पूरी तरह तैयार रहें। एक्टर ने यह भी कहा कि आज फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले युवा पहले से कहीं ज्यादा तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए जो लोग एक्टर बनना चाहते हैं, उनके लिए अपनी कला को गंभीरता से लेना जरूरी है।



नजदीकियां में दिखेंगे निकिता दत्ता और ताहा शाह

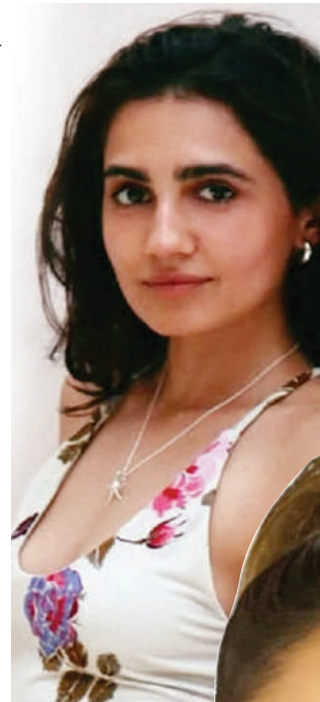
धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल कंपनी धर्माटिक एंटरटेनमेंट एक नई सीरीज लेकर आ रही है, जिसका नाम 'नजदीकियां' बताया जा रहा है। इस सीरीज का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर रुचिर अरुण करेंगे। इसमें निकिता दत्ता और ताहा शाह बहुशा लीड रोल में नजर आएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। 'नजदीकियां' की कहानी आज के दौर के रिश्तों और उनकी जटिलताओं पर बेस्ड होगी। सीरीज में प्यार, शादी, जिम्मेदारियों और अपनी इच्छाओं के बीच फंसे लोगों की कहानी दिखाई जाएगी। कहानी में दो शादीशुदा जोड़ों की जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उनके जीवनसाथियों के बीच एक ऐसा रिश्ता बन जाता है, जो धीरे-धीरे बेहद गहरा होता



चला जाता है। 'नजदीकियां' की कहानी दो कपल्स के इर्द-गिर्द घुमेगी। शुरुआत में इन दोनों जोड़ों की जिंदगी सामान्य नजर आती है, लेकिन समय के साथ उनके रिश्तों में बदलाव आने लगता है। दोनों कपल्स के जीवनसाथियों में से दो लोग एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं। 'नजदीकियां' में आकांक्षा सिंह भी लीड रोल में नजर आएंगी। आकांक्षा टेलीविजन की लोकप्रिय एक्ट्रेस में रही हैं। उनके किरदार के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। सीरीज में परेश पाहुजा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परेश इससे पहले 'बंदिश बेडिट्स' और 'चांद मेरा दिल' में नजर आ चुके हैं। उनकी एक्टिंग को ओटीटी दर्शकों ने भी पसंद किया है। सीरीज की शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू हो सकती है। इसके बाद इसे साल 2027 में प्राइम वीडियो पर रिलीज करने की योजना है।

साइकोलॉजिकल ड्रामा में दिखेगी वैदिका पिटो, लक्ष्य के साथ बनेगी नई जोड़ी

मुंबई 'मुसाफिर केफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वैदिका पिटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वैदिका पिटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल ट्विस्ट का ऐसा कॉन्टेल है, जो कहानी को काफी इंटरिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बाॅर्डर्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वसंतिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टबल किरदार एक्सप्लोर करते नजर आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइजिंग! अपने डिस्टिक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल ट्विस्ट के साथ पेश करने वाले हैं।



'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर बोलीं क्रिस्टल डिसूजा

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ

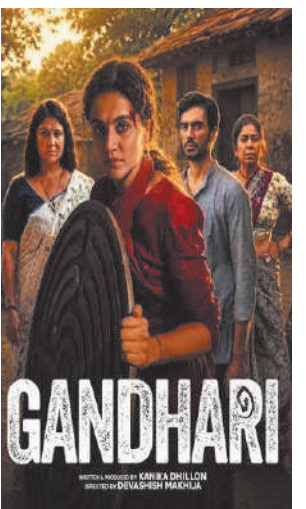
आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है। क्रिस्टल के कहा, 'इसी वजह से मैंने यह सीरीज की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।' जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घरे' के

दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनले तक मल्लिका शेरावर, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।



अभिलाष थपलियाल ने सभी से तापसी की 'गांधारी' देखने की गुजारिश की

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटपिलक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया



मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाधिक करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो।' देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्की के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूँढ़ने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।

मेधा शंकर इंडियाज गॉट लेटेंट के पैनल में शामिल हुईं



विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मेधा शंकर एक बार फिर से समय रैना की वजह से चर्चा में हैं। मेधा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचीं। हाल ही में वो इस शो में पैनलिस्ट की लाइन में नजर आईं, जहां वरुण धवन भी इस पैनल का हिस्सा थे। मेधा को देखते ही सोशल मीडिया पर पुरानी चर्चा फिर से चेज हो गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से मेधा शंकर और समय रैना के रिश्ते की काफी चर्चा है। दोनों कई मौकों पर साथ भी दिखे हैं। हाल ही में दोनों एक ही फ्लाइंट में सफर करते भी दिखे थे। हालांकि, दोनों में से किसी ने अब तक इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट विवादों से दूर नहीं रहा है। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लेटेस्ट एपिसोड में मेधा शंकर की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। एपिसोड और उससे जुड़े वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी मौजूदगी को

समय रैना के साथ चल रही डेटिंग की अफवाहों से जोड़ना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मेधा के शो में आने पर रिएक्शन्स दीए। एक यूजर ने कमेंट किया 'अरे रुको!! मुझे मेधा पैनल में दिख रही हैं।' इन रिएक्शन्स के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और बढ़ गईं। समय रैना और मेधा शंकर को कई बार साथ देखा गया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समय रैना और मेधा शंकर को हाल ही में एक ही फ्लाइंट में सफर करते हुए देखा गया। इसके अलावा दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो। जुलाई में भी उन्हें कई कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। हालांकि, बार-बार साथ नजर आने के बावजूद मेधा शंकर और समय रैना ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों ने डेटिंग की खबरों पर अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देने से भी परहेज किया है।

पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट एक बार फिर अपने कंटेंट और उससे जुड़े विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में शोरेन वर्मा बतौर पैनलिस्ट नजर आई थीं। इस दौरान कश्मीरी-बिहारी जोक को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ और कई यूजर्स ने शो के कंटेंट पर सवाल उठाए। विवाद के बीच एपिसोड के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद शो और इससे जुड़े लोगों को लेकर ऑनलाइन चर्चाएं तेज हो गईं। वहीं, शोरेन वर्मा का नाम समय रैना के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दोनों की साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर सामने आई चर्चाओं के बाद उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, समय और शोरेन दोनों ने सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है।

जून में हुआ था 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का प्रीमियर 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन का प्रीमियर जून में हुआ था। शो का पहला

एपिसोड 20 जून को शाम 7 बजे प्रसारित किया गया। नए सीजन में भी शो का वही अनांखा कॉमेडी फॉर्मेट देखने को मिल रहा है, जिसमें प्रतियोगियों, मेहमानों और पैनलिस्ट्स के बीच मजेदार और अप्रत्याशित बातचीत होती है। वहीं, मेधा शंकर की बात करें तो वह '12वीं फेल' में अपने अभिनय के लिए काफी लोकप्रिय हुई थीं।

